वर्ष-3, अंक-303
इन्दौर बुधवार 29 अप्रैल 2026 पृष्ठ 8,
मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761,

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

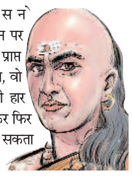

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

चुपके-चुपके

कमजोर दलील या मामले में कोई झोल...?

मप्र हाईकोर्ट में इस समय ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण मामले में सुनवाई चल रही है। सुनवाई से पहले नया मोड़ आ गया जब सरकार की ओर से नियुक्त दो अधिवक्ताओं को मामले से अलग कर दिया गया। खबरची का कहना है कि राज्यपाल द्वारा उक्त दोनों विशेष अधिवक्ताओं को नियुक्त किया गया था। दोनों सरकार की ओर से ओबीसी का पक्ष रख रहे थे, लेकिन ऐन मौके पर ओबीसी आरक्षण के प्रकरण में कोर्ट में सरकार का पक्ष रखने नई अधिसूचना जारी कर दी गई। उपरोक्त दोनों अधिवक्ताओं की जगह दो नए अधिवक्ता नियुक्त कर दिए गए। चलती सुनवाई से विशेष अधिवक्ताओं को हटाने को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि क्या इनकी दलीलें कमजोर थीं, या मामले में कोई झोल आ गया है।

-खबरची

बाजार भाव (मुंबई)

सोना (24 कै.10 ग्रा.)	1,50,211 ▼
चांदी (प्रति किलो)	2,38,413 ▼
प्रति डॉलर / रुपया	94.56 ▼

शेयर बाजार

निफ्टी	23,995.70 ▼
सेंसेक्स	76,886.91 ▼

जंग के बीच अमेरिका के लिए डराने वाली रिपोर्ट...मौजूदा रक्षा प्रणाली आधुनिक मिसाइलों के सामने अमेरिका है कमजोर, पेंटागन का खुलासा...चीन-रूस की मिसाइलों के सामने अमेरिकी रक्षा सिस्टम बेदम

मिडिल ईस्ट जंग में ईरान पड़ा भारी!

● वाशिंगटन, ईएमएस

मिडिल ईस्ट जंग में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। ईरान की ताकत में इजाफा होता जा रहा है। वहीं रूस-चीन और कई अन्य देश युद्ध को रोकने को लेकर ईरान के समर्थन में आ गए हैं। इस बीच पेंटागन ने ट्रंप की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। शीर्ष पेंटागन अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मौजूदा अमेरिकी रक्षा प्रणाली केवल छोटे स्तर के हमलों को ही रोक सकती है और हाइपरसोनिक या क्रूज मिसाइल जैसे आधुनिक खतरों के खिलाफ लगभग बेअसर है। अमेरिकी रक्षा और सैन्य अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के बजट पर चर्चा के दौरान सीनेट में यह बात रखी।

उन्होंने चेतावनी दी कि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश तेजी से ऐसे हथियार विकसित कर रहे हैं, जो पारंपरिक रक्षा प्रणाली को आसानी से चकमा दे सकते हैं। ऐसे में अमेरिका के ऊपर आंतरिक रूप से दबाव बढ़ रहा है कि वह ईरान के साथ वार्ता कर जंग को टाले, अन्यथा इसके परिणाम अमेरिका सहित पूरे विश्व के लिए घातक होंगे। अमेरिका की जिस तरह की स्थिति बनी हुई है, इजराइल कमजोर हुआ है, उससे ट्रंप पहली बार बेबस नजर आ रहे हैं। वहीं खाड़ी के देश भी अब युद्ध रोकने अमेरिका पर दबाव बना रहे हैं। उधर, अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने साफ कहा कि मौजूदा सिस्टम को इस तरह के आधुनिक खतरों के लिए डिजाइन ही नहीं किया गया था। ट्रंप ईरान युद्ध से परेशान हो गए हैं। अमेरिका को शीतयुद्ध की तरह लंबी लड़ाई में फंसने का डर है। क्योंकि, ईरान उन मुद्दों पर बात नहीं करना चाहता है, जिस पर ट्रंप समझौता चाहते हैं। ट्रंप ने अपने एक सलाहकार से कहा है कि ईरान वाले सिर्फ बम चलाना जानते हैं। उन्हें समझौते से कोई मतलब नहीं है। 1 मई को ईरान युद्ध पर ट्रंप को बड़ा फैसला लेना है। अगर वे युद्ध को बढ़ाना चाहेंगे तो उन्हें इसके लिए प्रस्ताव लाना होगा। पिछले दिनों ट्रंप ने एक बयान में कहा था कि हम वियतनाम में 18 साल तक रहे थे। उधर, ईरान को लेकर सिचुएशन रूम की बैठक में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रक्षा मंत्रालय पेंटागन के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया है। वेंस ने कहा कि पेंटागन झूठ बोल रहा है। राष्ट्रपति को पूरी जानकारी नहीं दे रहा है, जिससे युद्ध को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। अटलांटिक मैगजीन ने सूत्रों के हवाले से यह रिपोर्ट की है। बैठक में वेंस ने ट्रंप से कहा कि हमारे पास हथियार खत्म हो रहे हैं।

अमेरिका के पास केवल एक-स्तरीय रक्षा प्रणाली

अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने कहा कि अमेरिका के पास केवल सीमित, जमीन आधारित एक-स्तरीय रक्षा प्रणाली है। यह सिर्फ छोटे हमलों के लिए बनाई गई थी। हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलों के खिलाफ कोई प्रभावी सुरक्षा नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि खासतौर पर चीन तेजी से हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक विकसित कर रहा है, जो पारंपरिक इंटरसेप्टर सिस्टम से बच निकलती हैं। इससे अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा गैप सामने आया है।

गोल्डन डोम- अमेरिका की नई रक्षा योजना

इन खतरों से निपटने के लिए अमेरिका एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना गोल्डन डोम पर काम कर रहा है। इस योजना के तहत अंतरिक्ष आधारित सेंसर नेटवर्क तैयार किया जाएगा। जमीन और समुद्र आधारित इंटरसेप्टर तैनात होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कमांड और कंट्रोल सिस्टम होगा। नई तकनीकों जैसे डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स (लेजर आदि) का उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 175 से 185 अरब डॉलर (करीब 14-15 लाख करोड़ रुपये) बताई जा रही है और 2028 तक इसकी शुरुआती क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

रक्षा उत्पादन में भी बड़ी कमजोरी

अमेरिकी मिसाइल डिफेंस एजेंसी के निदेशक हीथ ए कोलिन्स ने कहा कि वर्षों की कम निवेश नीति से रक्षा उत्पादन क्षमता कमजोर हो गई है। इंटरसेप्टर मिसाइलों के उत्पादन में कैपेसिटी डेब्ट बन गया है। सप्लाई चेन को मजबूत करने में समय लगेगा। उन्होंने चेताया कि अगर बड़े पैमाने पर युद्ध होता है, तो अमेरिका के लिए लंबे समय तक रक्षा बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

परियोजना को लेकर राजनीतिक विवाद हुआ तेज

इस महंगे गोल्डन डोम प्रोजेक्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक विवाद भी तेज हो गया है। सीनेटर एंगस किंग ने सवाल उठाया कि इतने बड़े खर्च वाले कार्यक्रम में कांग्रेस की निगरानी को सीमित क्यों किया जा रहा है, जबकि यह राष्ट्रीय बजट पर बड़ा असर डाल सकता है। वहीं, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य तेजी से बदल चुका है।

फटाफट खबरें

दो ट्रेनों की टक्कर में 14 लोगों की मौत

जकार्ता, ईएमएस।। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के पास बेकासी रेलवे स्टेशन पर सोमवार देर रात दो ट्रेनों की भीषण टक्क र में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 84 लोग घायल हुए हैं। कई यात्री ट्रेन के डिब्बों में फंसे रहे, जिन्हें निकालने के लिए मंगलवार सुबह तक राहत और बचाव अभियान जारी रहा। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में दूसरी ट्रेन में सवार सभी 240 यात्री सुरक्षित हैं।

ट्रैक पर मालगाड़ी गुजरते वक्त ब्लास्ट

पटियाला, ईएमएस। पंजाब में पटियाला के राजपुरा में अंबाला-अमृतसर रेल फ्रेट कॉरिडोर के में ब्लास्ट के पीछे टेरर एंगल सामने आ रहा है। रेलवे की स्पेशल डीजीपी शशि प्रभा द्विवेदी ने मंगलवार सुबह घटनास्थल पर पहुंचकर कहा कि इसके पीछे पाकिस्तान का हाथ हो सकता है। उन्होंने ये भी खुलासा किया कि जिस वक्त धमाका हुआ, पटरी के ऊपर से मालगाड़ी गुजर रही थी। इससे मालगाड़ी को नुकसान नहीं हुआ लेकिन ड्राइवर को झटका लगा।

भारत लाया गया ड्रग तस्कर सलीम डोला

नई दिल्ली, ईएमएस। भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी और मादक पदार्थों का बड़ा सरगना माने जाने वाले सलीम डोला को तुर्की से भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। मंगलवार सुबह उसे दिल्ली लाया गया, जहां एयरपोर्ट पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने उसे हिरासत में ले लिया। एनसीबी के एक अधिकारी के मुताबिक, 59 वर्षीय सलीम से पहले पूछताछ की जाएगी और उसके बाद उसे महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों को सौंपा जाएगा, जहां उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं।

आईएएस रिंकू सिंह ने वापस लिया इस्तीफा

लखनऊ, ईएमएस। उत्तर प्रदेश के आईएएस रिंकू सिंह राही ने यह इल्जाम लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था कि उनको लंबे समय से पोस्टिंग नहीं दी जा रही है। नहीं कोई काम दिया जा रहा है। वो उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद से संबद्ध है। उनके पास न कोई काम और न ही गरिमापूर्ण कार्य आवंटन। अपने विस्तृत पत्र में उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें काम करने का अवसर नहीं दिया गया और संवैधानिक व्यवस्था के समानांतर एक अलग सिस्टम चल रहा है। इन सबके बाद अब आईएएस रिंकू सिंह राही ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है।

पश्चिम एशिया तनाव से कच्चा तेल 109 डॉलर के पार, उतार-चढ़ाव के बाद टूटा बाजार, सेंसेक्स 417 अंक गिरा, निफ्टी 24000 के नीचे पहुंचा

रुपया 41 पैसे टूटकर 94.56 पर आया

नई दिल्ली, ईएमएस। ईरान युद्ध को समाप्त करने की कूटनीतिक वार्ताओं में आई रुकावट का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों पर दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने से कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से तेज उछाल आया है और वह 109 डॉलर के पार हो गया है। जिसके कारण मंगलवार को प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में सुस्ती और गिरावट का रुख देखने को मिला। वहीं रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 41 पैसे गिरकर 94.56 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 417 अंक नीचे बंद हुआ। निफ्टी 24 हजार अंक के नीचे। एक्सिस बैंक में 3 प्रतिशत और एचसीएल टेक में 2 प्रतिशत की गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 416.72 अंक गिरकर 76,886.91 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995.70 पर आ गया।

मंगलवार को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी के निरंतर बहिर्वाह के कारण निवेशकों की भावनाएं आहत हुईं, जिसके चलते रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 41 पैसे गिरकर 94.56 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि चालू खाता घाटे (सीए) में संभावित वृद्धि और अस्थिर पूंजी प्रवाह को ध्यान में रखते हुए, रुपया पहले ही काफी तेजी से कमजोर हो चुका है।

जंबूरी मैदान में आयोजित शौर्य दिवस कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव का ऐलान

नर्मदा तट के हीरापुर में राजा हिरदेशाह के नाम पर बनेगा तीर्थ स्थल

भोपाल, ईएमएस। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ऐलान किया है कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजा हिरदेशाह लोधी की जीवनगाथा अब स्कूलों के सिलेबस में शामिल की जाएगी। साथ ही उनके नाम पर तीर्थ स्थल विकसित करने की भी योजना है। सीएम ने यह घोषणा मंगलवार को भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित राजा हिरदेशाह की 168वीं पुण्यतिथि (शौर्य दिवस) कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि राजा हिरदेशाह का जीवन संघर्ष, साहस और देशभक्ति का प्रतीक है, जिसे नई पीढ़ी को जानना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि नर्मदा तट के हीरापुर में राजा हिरदेशाह के नाम पर एक तीर्थ स्थल बनाया जाएगा। साथ ही उनके जीवन और संघर्ष पर शोध कराकर शिक्षा विभाग में इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। नर्मदा टाइगर के नाम से पहचान रखने वाले राजा हिरदेशाह ने अंग्रेज शासन के खिलाफ 1842 में संघर्ष का संकल्प लिया। वे अपने भाइयों के साथ 1858 तक संघर्ष करते रहे। सीएम ने कहा कि राजा हिरदेशाह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी और आदर्श है। समाज के महापुरुषों के संघर्ष को भी याद करने की आवश्यकता है। जो संघर्षों से लड़ना जानता है, समाज उसका अभिनंदन करता है। राजा हिरदेशाह ने बुंलेदखंड के बुंदेला और आदिवासी समाज को एकजुट कर अंग्रेजों के समाने आंदोलन शुरू किया था। राज्य सरकार उनके संघर्ष पर शोध कराएगी।

राहुल गांधी नागरिकता मामले में अब जस्टिस मनीष माथुर करेंगे सुनवाई

लखनऊ, ईएमएस। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में अब न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ सुनवाई करेगी। मंगलवार को यह मामला न्यायमूर्ति मनीष माथुर के समक्ष सूचीबद्ध हुआ। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने कोर्ट से मामले में आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने याची के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए 7 मई की तारीख तय की है।

कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए एफ आई आर दर्ज करने की मांग की है। पहले, उनकी याचिका लखनऊ की एमपी-एमएलए अदालत से खारिज हुई थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के पास उन्होंने मौजूदा याचिका दाखिल की थी।

प्रवर्तन निदेशालय की बड़ी कार्रवाई

अनिल अंबानी की 3034 करोड़ की संपत्ति कुर्क

मुंबई, ईएमएस। अनिल अंबानी के रिलायंस समूह के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के तहत 3,034 करोड़ रुपये की नयी संपत्तियां जब्त की हैं। समाचार एजेंसी भाषा को सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियां रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर-इंफ्रा) की हैं।

सूत्रों ने बताया कि इनमें मुंबई में एक फ्लैट, खंडाला (महाराष्ट्र का एक हिल स्टेशन) में एक फार्महाउस, साणंद (अहमदाबाद) में कुछ भूखंड और आर-इंफ्रा के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। केंद्रीय एजेंसी ने इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है। सूत्रों के अनुसार, रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ मामलों में कुर्क की गई संपत्तियों की कुल राशि अब 19,344 करोड़ रुपये हो गई है। समूह के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी और धन के निर्धारित उद्देश्य से इतर उपयोग के आरोपों की ईडी द्वारा जांच की जा रही है।

बंगाल चुनावः दूसरे चरण में 142 सीटों पर मतदान आज

12 लाख एसआईआर आवेदनों में सिर्फ 1468 को मिली मंजूरी

3.21 करोड़ वोटर 1448 उम्मीदवारों की किस्मत तय करेंगे

कोलकाता, ईएमएस। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान बुधवार को होगा। इस चरण में 3 करोड़ 21 लाख से ज्यादा वोटर्स 1448 उम्मीदवारों के किस्मत का फैसला करेंगे। वोटिंग के लिए इस चरण में 41 हजार एक

मतदान केंद्र बनाए गए हैं। दक्षिण 24 परगना का भांगड़ निर्वाचन क्षेत्र की चर्चा बार सबसे ज्यादा 19 उम्मीदवार मैदान में होने से है, जबकि हुगली जिले के गोघाट में सबसे कम 5 उम्मीदवार हैं।

इस चरण में 142 सीटों के लिए कुल मतदाता 3 करोड़ 21 लाख 73 हजार 837 हैं। इनमें पुरुष मतदाता 1 करोड़ 64 लाख 35 हजार 627 है, जबकि महिला मतदाता 1 करोड़ 57 लाख 37 हजार 418 हैं। इस चरण में तीसरे लिंग वाले मतदाता 792 हैं। युवा शक्ति वोटर्स में 18-19 साल के 4 लाख 12 हजार 668 नये मतदाता पहली बार अपने वोट की ताकत दिखायेंगे। वहीं दूसरे चरण की वोटिंग वाले इलाकों में वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने के लिए लिए लंबित 12 लाख 90 हजार से ज्यादा आवेदनों में से अब तक 1468 को ही क्लियरेंस मिल पाई है।

अहम भूमिका निभाएगा दूसरा चरण!

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का दूसरा चरण 142 सीटों पर होगा, जो राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने में एक अहम भूमिका निभाएगा। इस चरण के लिए वोटिंग 29 अप्रैल को होगी, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होनी है। यह चुनाव कुल 294 सीटों पर दो चरणों में हो रहा है। पहले चरण में पहले ही भारी संख्या में वोटिंग हो चुकी है, इसलिए अब सभी की नज़रें दूसरे चरण की इन सीटों पर टिकी हैं। कोलकाता से लेकर हुगली और उससे आगे तक, इस चरण में कई ऐसी जरूरी सीटें शामिल हैं, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों पर गहरा असर डाल सकती हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों का दूसरा चरण इसलिए अहम है, क्योंकि इसमें शहरी केंद्र और राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र शामिल हैं।

मंत्री नितेश राणे को एक माह जेल की सजा

मुंबई, ईएमएस। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधि कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया गया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी कर दिया गया।

दरअसल, मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने एनएचआई के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौड़ीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर वे नाराज हो गए। राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरे पानी में चलने के लिए मजबूर किया।

मोहन कैबिनेट ने विकास कार्यों के लिए दी 26,800 करोड़ की मंजूरी

दिल्ली में पढ़ने वाले ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति हुई 10 हजार रुपए

भोपाल, ईएमएस। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के विकास, किसानों और सामाजिक कल्याण से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी बड़ी घोषणाएं की और विकास कार्यों के लिए करोड़ों का बजट मंजूर किया। बैठक के बाद मंत्री चेतन कश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली में पढ़ रहे ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति 1,550 से बढ़ाकर 10,000 प्रति माह कर दी है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सिंचाई परियोजनाओं के लिए कुल 26,800 करोड़ की मंजूरी दी है। इसके तहत शाजापुर के लखुंदर बांध के लिए

155 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। जिससे 17 गांवों की करीब 9,000 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी।

किसानों के लिए बड़ी राहत

कैबिनेट ने किसानों के हित में फैसला लेते हुए बताया कि केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को 100 लाख टन गेहूं उपार्जन की अनुमति दी है, जो अब तक का रिकॉर्ड होगा। अब तक 29 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी हो चुकी है और किसानों को 25,460 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। सरकार ने खरीदी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए उपार्जन केंद्रों को सप्ताह में 6 दिन खोलने का फैसला किया है और शनिवार की छुट्टी समाप्त कर दी गई है। साथ ही, बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने करने के निर्देश दिए गए हैं।

भोपाल और रीवा मेडिकल कॉलेज में बढ़ेगी सुविधाएं

रूस-यूक्रेन के बीच नया विवाद!

इजरायल पर चोरी किया गया यूक्रेनी अनाज को खरीदने का आरोप

कीव, ईएमएस। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इजरायल द्वारा रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों से अनाज खरीदे जाने पर सख्त ऐतराज जताया है। जेलेंस्की ने कहा है कि रूस द्वारा चोरी किए गए यूक्रेनी अनाज की खरीद किसी भी तरह से जायज बिजनेस नहीं हो सकता।

उन्होंने इजरायल को याद दिलाया कि यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों से अनाज खरीदना खुद इजरायल के अपने कानूनों का भी उल्लंघन है। जेलेंस्की के मुताबिक, यूक्रेन अब एक विशेष प्रतिबंध पैकेज तैयार कर रहा है, जो उन लोगों और संस्थाओं को टारगेट करेगा, जो इस चोरी के अनाज को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या इससे फायदा कमाने में लगे हुए हैं। राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई है कि इजरायली अधिकारी यूक्रेन की संप्रभुता का सम्मान करेंगे और ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचेंगे।

द्विपक्षीय संबंधों पर खतरा

जेलेंस्की ने इजरायली अधिकारियों से कहा है कि वे यूक्रेन के प्रति सम्मान दिखाएं और ऐसी गतिविधियों से दूर रहें, जो उनके आपसी रिश्तों की बुनियाद को कमजोर करती हैं। यूक्रेन का तर्क है कि कब्जे वाले इलाकों से संसाधनों का दोहन करना न सिर्फ अनैतिक है, बल्कि यह इंटरनेशनल नियमों का भी खुला उल्लंघन है।

गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में 'आप' का सूपड़ा साफ, कांग्रेस ऑक्सीजन पर, भाजपा 700 सीटें निर्विरोध जीती

भाजपा की ऐतिहासिक जीत, सभी 15 निगमों पर जमाया कब्जा

● अहमदाबाद, ईएमएस

गुजरात में मंगलवार को स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर मतगणना हुई। स्थानीय निकाय चुनावों में जहां आप का सुपड़ा साफ हो गया है, वहीं कांग्रेस की स्थिति भी प्रतिकात्मक रूप से बनी हुई है। हालांकि सभी जगह कांग्रेस मुख्य विपक्षी की भूमिका में है। वहीं भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है। पार्टी ने सभी 15 नगर निगमों पर जीत दर्ज की है। इनमें मेहसाणा, मोरबी, नाडियाड और वापी ऐसे नगर निगम है, जहां पहली बार चुनाव हुए थे। मेहसाणा, मोरबी और नडियाद में कांग्रेस को अब तक एक भी सीट नहीं मिली है। वहीं भाजपा 700 सीटों पर निर्विरोध

जीती है। अहमदाबाद में गिनती के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। वहीं, क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा कांग्रेस की टिकट पर राजकोट से हार गई हैं।

सूरत नगर निगम की 120 सीटों में से भाजपा ने 115 सीटें जीती हैं। वहीं आप 4 सीटों पर सिमट गई है। आप ने 2021 में 27 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में एक सीट गई है। इधर, भुज नगर पालिका में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के 3 उम्मीदवारों को जीत मिली है। राज्य चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ दल भाजपा ने नगर निगमों में कुल सीटों के आधे से अधिक पर जीत दर्ज की है। मोरबी नगर निगम में भाजपा ने सभी 52 सीटों पर कब्जा किया है। रविवार, 26 अप्रैल को 15 नगर निगमों, 84 नगर पालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के लिए मतदान हुआ था। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इन चुनावों को राज्य के सबसे बड़े चुनावी अभ्यासों में से एक माना गया।

भाजपा ने जिला और तालुका पंचायतों में बनाई बढ़त

भाजपा ग्रामीण स्थानीय निकायों में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरी है। 1,090 सीटों वाली 34 जिला पंचायतों में पार्टी ने 568 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 77 और अन्य को 30 सीटें मिलीं। वहीं 5,234 सीटों वाली 260 तालुका पंचायतों में भाजपा ने 2,397 सीटें हासिल कीं, कांग्रेस ने 591 सीटें जीतीं, जबकि अन्य को 329 सीटें मिलीं। सूरत नगर निगम की 120 सीटों में से भाजपा ने 115 सीटें जीती हैं। वहीं, आप चार सीटों पर सिमट गई है। आप ने 2021 में 27 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में एक सीट गई है।

पीएम मोदी ने राज्य सरकार को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया कि गुजरात और भाजपा के बीच संबंध और भी मजबूत हुए हैं! राज्य भर में हुए महानगरपालिका, नगरपालिका, तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में मिली शानदार जीत के लिए गुजरात की जनता का आभार। राज्य सरकार के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए जनता ने सुशासन की राजनीति को चुना है।

संपादकीय

आधी आबादी का हक कानून बना, इरादा कब ....

अनीता चौबे

भारत खुद को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहता है, लेकिन यह दावा तब अधूरा लगने लगता है जब आधी आबादी की भागीदारी सत्ता के गलियारों में नगण्य दिखाई देती है। महिलाओं की जनसंख्या लगभग 50 प्रतिशत के आसपास है, फिर भी संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व 10-14 प्रतिशत के बीच सिमटा हुआ है। सवाल सीधा है—क्या यह लोकतंत्र का संतुलन है या सिर्फ उसका भ्रम?

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर जिस तरह का माहौल बना है, वह उम्मीद से ज्यादा विडंबना पैदा करता है। हर राजनीतिक दल इसके समर्थन में खड़ा नजर आता है, लेकिन जब बात इसे लागू करने की आती है, तो शर्तें, प्रक्रियाएं और बहाने सामने आ जाते हैं। यह स्थिति किसी गंभीर नीति निर्माण से ज्यादा एक राजनीतिक खेल जैसी लगती है—जहां मुद्दा आगे बढ़ता कम और घुमाया ज्यादा जाता है।

इतिहास गवाह है कि महिला आरक्षण का मुद्दा नया नहीं है। 1996 से शुरू हुआ यह सफर कई सरकारों और संसदों से गुजर चुका है, लेकिन मंजिल अब तक दूर है। हर बार आश्वासन मिला, हर बार उम्मीद जगी, और हर बार निराशा हाथ लगी। आज भी स्थिति अलग नहीं दिखती—कानून पास होने की बात हो रही है, लेकिन लागू होने की स्पष्टता नहीं है।

सत्ता पक्ष इसे अपनी उपलब्धि बताता है, तो विपक्ष अतीत की गलतियों और वर्तमान की मंशा पर सवाल उठाता है। आरोप-प्रत्यारोप के इस शोर में असली मुद्दा दब जाता है—महिलाओं को उनका अधिकार कब मिलेगा? क्या यह भी उन वादों में शामिल हो जाएगा, जो चुनावी मंचों तक सीमित रह जाते है? सच यह है कि महिला आरक्षण केवल सीटों का बंटवारा नहीं है, यह लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक और न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में एक जरूरी कदम है।

जब निर्णय लेने वाले मंचों पर महिलाओं की संख्या बढ़ेगी, तो नीतियों में उनके अनुभव, उनकी जरूरतें और उनकी दृष्टि भी शामिल होगी। इससे शासन अधिक संवेदनशील और प्रभावी बनेगा।

सच यह है कि महिला आरक्षण केवल सीटों का बंटवारा नहीं है, यह लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक और न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में एक जरूरी कदम है। जब निर्णय लेने वाले मंचों पर महिलाओं की संख्या बढ़ेगी, तो नीतियों में उनके अनुभव, उनकी जरूरतें और उनकी दृष्टि भी शामिल होगी। इससे शासन अधिक संवेदनशील और प्रभावी बनेगा।

लेकिन इसके लिए सबसे जरूरी है राजनीतिक इच्छाशक्ति—जो फिलहाल अधूरी नजर आती है। अगर कानून को जनगणना और परिसीमन जैसी प्रक्रियाओं से जोड़कर टाल दिया गया, तो यह एक बार फिर लंबी प्रतीक्षा का शिकार हो सकता है।

आधी आबादी को उसका हक देना कोई राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी है।

अब वक्त आ गया है कि यह मुद्दा बहस और बयानबाजी से निकलकर वास्तविकता बने। क्योंकि लोकतंत्र की असली ताकत तभी साबित होगी, जब उसमें सभी की बराबर भागीदारी सुनिश्चित हो।

सुविचार

केवल अंग्रेज़ी सीखने में जितना श्रम करना पड़ता है उतने श्रम में भारत की सभी भाषाएँ सीखी जा सकती हैं।
- विनोबा भावे

सेहत

तरबूज से सेहत....

तरबूज गर्मियों का एक बेहतरीन फल है, जो लगभग 92 प्रतिशत पानी से बना होता है और शरीर को हाइड्रेटेड रखता है। यह विटामिन A, C, एंटीऑक्सीडेंट्स (लाइकोपीन), और पोटेशियम का बेहतरीन स्रोत है। यह पाचन सुधारने, त्वचा में चमक लाने, वजन घटाने, और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

तरबूज खाने के मुख्य स्वास्थ्य लाभ

हाइड्रेशन और ठंडक- इसमें पानी की अधिक मात्रा होने के कारण यह डिहाइड्रेशन से बचाता है और गर्मी में शरीर को ठंडा रखता है।

हृदय स्वास्थ्य- तरबूज में मौजूद लाइकोपीन और सिट्रुलिन नामक अमीनो एसिड रक्त संचार को बेहतर बनाकर हृदय को स्वस्थ रखते हैं और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करते हैं।

पाचन में सुधार- इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है और कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत देता है।

त्वचा और आंखों के लिए फायदेमंद- विटामिन A और C का अच्छा स्रोत होने के कारण यह त्वचा को चमकदार बनाता है और आंखों की रोशनी के लिए भी फायदेमंद है।

वजन नियंत्रण- तरबूज में कैलोरी बहुत कम होती है, जो वजन कम करने वालों के लिए एक अच्छा स्नैक हो सकता है।

कैंसर से बचाव- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कैंसर जैसी बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं।

किडनी स्वास्थ्य- तरबूज का रस गुर्दों को स्वस्थ रखता है और शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।

मांसपेशियों के दर्द में राहत- यह एक्सरसाइज के बाद होने वाली मांसपेशियों की थकान और दर्द को कम करने में मदद कर सकता है।

सावधानी

अधिक मात्रा में खाने से पेट फूलना, गैस या दस्त की समस्या हो सकती है।

डायबिटीज के मरीजों को इसे सीमित मात्रा में खाना चाहिए।

बेहतर स्वाद के लिए- इसे ठंडा करके खाना ज्यादा फायदेमंद और स्वादिष्ट लगता है।

ज्ञानवाणी

असीमित पुण्य

गुजरात की एक प्रसिद्ध रियासत में राजमाता मीलण देवी रहती थीं। वह भगवान के प्रति अत्यंत श्रद्धालु थीं और धर्म-कर्म में उनका विशेष विश्वास था। एक दिन उन्होंने निश्चय किया कि वह भगवान सोमनाथ जी का भव्य अभिषेक और पूजन करेंगी। पूरे विधि-विधान के साथ उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने सोने का तुलादान कराया—अपने वजन के बराबर सोना तुला पर रखकर भगवान को अर्पित कर दिया। मंदिर में उपस्थित सभी लोग राजमाता की भक्ति और दान देखकर उनकी प्रशंसा करने लगे।

इतना बड़ा दान करने के बाद धीरे-धीरे राजमाता के मन में अहंकार आने लगा। वह मन ही मन सोचने लगीं कि आज तक किसी ने इतना बड़ा तुलादान नहीं किया होगा और उन्होंने बहुत बड़ा पुण्य कमा लिया है। इस विचार के साथ वह अपने महल लौट आईं और रात को विश्राम करने लगीं।

रात में उन्हें एक अद्भुत स्वप्न आया। उन्होंने देखा कि स्वयं भगवान सोमनाथ उनके सामने खड़े हैं। भगवान ने शांत स्वर में कहा, राजमाता, मेरे मंदिर में एक गरीब महिला दर्शन के लिए आई है। उसके पास असीमित पुण्य संचित है। तुम उससे कुछ पुण्य सोने की मुद्राएं देकर खरीद लो, क्योंकि वही तुम्हारे परलोक में काम आएंगे। इतना कहकर भगवान अदृश्य हो गए। राजमाता की नींद खुल गई और वह बेचैन हो उठीं। सुबह होते ही उन्होंने अपने सेवकों को आदेश दिया कि मंदिर में जो गरीब महिला आई है, उसे तुरंत राजभवन लाया जाए।

सेवक मंदिर पहुंचे और खोजबीन करके उस गरीब महिला को राजमहल ले आए। वह महिला अत्यंत गरीब थी और साधारण कपड़े पहने हुए थी। राजमहल का वैभव देखकर वह डर से कांपने लगी। राजमाता ने उसे प्रेमपूर्वक अपने पास बैठाया और कहा, मुझे अपने संचित पुण्य दे दो, बदले में मैं तुम्हें बहुत सारी सोने की मुद्राएं दूंगी।राजमाता की बात सुनकर गरीब महिला आश्चर्य में पड़ गई। वह विनम्रता से बोली, ÷महारानी जी, मैं तो एक गरीब भिखारिन हूं। मुझसे भला कौन-से पुण्य कार्य हो सकते हैं? मैं तो दर-दर भीख मांगकर अपना पेट भरती हूं। कल मुझे भीख में एक मुट्ठी सत्तू मिले थे। मंदिर में दर्शन करने से पहले मैंने उनमें से आधे सत्तू भगवान को भोग लगा दिए और बाकी आधे एक भूखे भिखारी को खिला दिए। जब मैं भगवान को ठीक से प्रसाद भी नहीं चढ़ा पाई, तो मुझे पुण्य कहां से मिलेगा? गरीब महिला की यह सरल और निष्कपट बात सुनकर राजमाता स्तब्ध रह गईं। उसी क्षण उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने समझ लिया कि भगवान को दिखावे या बड़े दान से नहीं, बल्कि सच्चे मन और निस्स्वार्थ भावना से प्रसन्न किया जा सकता है। उस गरीब महिला ने जो थोड़ा-सा अन्न भगवान और एक भूखे व्यक्ति को दिया, वही सच्ची भक्ति थी, और उसी से उसे असीमित पुण्य प्राप्त हुआ।राजमाता का अहंकार पूरी तरह समाप्त हो गया। उन्होंने उसी समय प्रण लिया कि अब वह अहंकार को त्यागकर मानव सेवा को ही अपना सबसे बड़ा धर्म बनाएंगी। इसके बाद उन्होंने गरीबों, भूखों और जरूरतमंदों की सेवा करना शुरू कर दिया और सच्चे मन से समाज के कल्याण में अपना जीवन समर्पित कर दिया।

सीख

सच्चा पुण्य धन-दौलत से नहीं, बल्कि निःस्वार्थ भावना, दया और सेवा से प्राप्त होता है। जो मन से संतुष्ट और दूसरों की सहायता करने वाला होता है, वही वास्तव में सबसे अधिक धनी और पुण्यवान होता है।

बिहार-नेपाल बॉर्डर पर बहुत कुछ बदल रहा है, रोटी-बेटी के रिश्तों में दरार का डर

> सीतामढ़ी जिले के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में हाल ही में जो घटनाएं सामने आईं, उन्होंने इस बदलते माहौल को और स्पष्ट कर दिया है। सोनबरसा प्रखंड के इंदरवा के पास नेपाली सुरक्षाकर्मियों द्वारा भारतीय वाहनों को रोककर जब्त किए जाने से अचानक तनाव फैल गया।
>
> बताया जाता है कि नेपाल जाने वाले भारतीय नागरिकों के वाहनों को रोका गया और कुछ मामलों में अभद्र व्यवहार की शिकायत भी सामने आई। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। घटना के विरोध में भारतीय पक्ष के लोगों ने भी नेपाल से आने वाले वाहनों को रोक दिया। देखते ही देखते सीमा पर हंगामे जैसी स्थिति बन गई और दोनों तरफ आवाजाही बाधित हो गई।
>
> स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल को हस्तक्षेप करना पड़ा।

अशोक भाटिया

नेपाल कहने को अलग देश है लेकिन सीमावर्ती इलाकों में जाइए तो पता नहीं चलता कहां भारत खत्म होता है कि और कहां से नेपाल शुरू। इसकी एक ऐतिहासिक वजह रही है कि दोनों देशों की सीमाएं सामान्य नागरिकों में भेद नहीं करती। यहां के बाजार उनके लिए खुले हैं, वहां के सामान यहां आराम से आते हैं। दरअसल दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ रिश्तों के नीचे यही आवागमन की सुगमता बुनियाद है। लेकिन हाल फिलहाल में कुछ ऐसा हुआ है जिससे इस बुनियाद के दरकने का डर पैदा हो गया है।

नेपाल की बालेन सरकार के इस नए फैसलों ने इस सहज संबंध पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दोनों देशों में इस फैसले का विरोध हो रहा है। सीमा पर बढ़ती सख्ती, कस्टम ड्यूटी की वसूली और वाहनों की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति पैदा कर दी है।

सीतामढ़ी जिले के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में हाल ही में जो घटनाएं सामने आई, उन्होंने इस बदलते माहौल को और स्पष्ट कर दिया है। सोनबरसा प्रखंड के इंदरवा के पास नेपाली सुरक्षाकर्मियों द्वारा भारतीय वाहनों को रोककर जब्त किए जाने से अचानक तनाव फैल गया।

बताया जाता है कि नेपाल जाने वाले भारतीय नागरिकों के वाहनों को रोका गया और कुछ मामलों में अभद्र व्यवहार की शिकायत भी सामने आई। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। घटना के विरोध में भारतीय पक्ष के लोगों ने भी नेपाल से आने वाले वाहनों को रोक दिया। देखते ही देखते सीमा पर हंगामे जैसी स्थिति बन गई और दोनों तरफ आवाजाही बाधित हो गई।

स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल को हस्तक्षेप करना पड़ा। उनके प्रयासों के बाद नेपाल में जब्त किए गए वाहनों को छोड़ा गया, तब जाकर हालात सामान्य हो सके।दरअसल, यह तनाव केवल एक घटना तक सीमित नहीं है। इसके पीछे नेपाल सरकार का हालिया सख्त कस्टम नियम भी बड़ा कारण बनकर सामने आया है। नेपाल की बालेन सरकार ने पुराने नियम को सख्ती से अनुपालन करा रहे हैं।

नेपाल ने नया प्रावधान लागू करते हुए भारत से ले जाए जाने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम ड्यूटी अनिवार्य कर दिया है। यह शुल्क 5 प्रतिशत से लेकर 80 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके चलते भारत-नेपाल से सटे बिहार के इलाके वाले कस्बों के बाजार में मंदी आ गई है।

अविनाश कुमार, स्थानीय व्यापारी, मोतिहारी बताते है कि इससे हमारा कारोबार ठप हो जाएगा। हम रोजाना 50-60 हजार का माल नेपाल ले जाते थे। अब 100 रुपये से ऊपर के हर सामान पर ड्यूटी? यह तो लूट है! पहले खुला व्यापार था, अब सब बंद। हमारा रोजगार छिन जाएगा।- नए कस्टम शुल्क के गणित को इस प्रकार समझा जा सकता है कि अगर आप रक्सौल बॉर्डर पर 1000 रुपए का सामन खरीदकर नेपाल की ओर जाते हैं तो बॉर्डर पर उस सामान की कीमत कस्टम ड्यूटी चुकाने के बाद बढ़ जाएगी। क्योंकि अगर सामानों की कैटेगरी 15 फीसदी की सीमा में होगी तो उसपर 150 रुपए का सीमा शुल्क लगेगा, 13 फीसदी वैट पर 149I5 रुपए देना होगा। इस तरह 1000 का सामान आपको 1299I5 रुपए में पड़ेगा। यही वजह है कि नेपाल से लोग भारत से सटे बॉर्डर पर खरीददारी को नहीं आ रहे हैं।इस नियम का सीधा असर सीमावर्ती इलाकों के लोगों पर पड़ रहा है, जिनकी रोजमर्रा की जिंदगी दोनों देशों के बाजारों पर निर्भर करती है। पहले जहां लोग बिना रोक-टोक आवाजाही करते थे, अब उन्हें हर छोटे सामान पर भी शुल्क देना पड़ रहा है।

मोतिहारी के व्यापारियों का आरोप है कि नेपाल सरकार ने यह कस्टम नियम 15 अप्रैल से लागू किया है। इसका मकसद अपना स्थानीय उद्योग बचाना और राजस्व बढ़ाना बताया जा रहा है। लेकिन भारत-नेपाल के बीच 1950 की व्यापार संधि में खुला व्यापार का प्रावधान है। व्यापारियों का आरोप है कि नेपाल एकतरफा फैसला ले रहा है।इसलिए हम केंद्र सरकार से अपील कर रहे हैं। यह भारत-नेपाल के बीच 1950 की संधि का उल्लंघन है। अगर नियम नहीं बदला गया तो सीमा पर आंदोलन होगा। नेपाल में भारतीय सामान सस्ता मिलता था, इसलिए बिक्री अच्छी थी। 80त ड्यूटी लगेगी तो कीमतें दोगुनी हो जाएंगी। ग्राहक कौन खरीदेगा? अररिया जिले के जोगबनी बॉर्डर से लेकर आमबारी तक करीब 28 किलोमीटर के क्षेत्र में इस नियम का असर धीरे-धीरे दिखने लगा है। हालांकि फिलहाल भीड़ कम है, लेकिन व्यापारियों में चिंता बढ़ती जा रही है।स्थानीय व्यापारियों का यह भी कहना है कि अगर यह नियम लंबे समय तक जारी रहा, तो उनके कारोबार पर गंभीर असर पड़ेगा। ग्राहक कम होंगे और सीमावर्ती बाजारों की रौनक खत्म हो सकती है।

नेपाल बॉर्डर पर आने वाले ज्यादातर ग्राहक नेपाली थे, जिन्हें कम कीमत में सामान मिल रहा था। मोतिहारी के रक्सौल बॉर्डर पर भी स्थिति अलग नहीं है। यहां से नेपाल के बीरगंज तक रोजाना बडी मात्रा में सामान जाता था, लेकिन अब व्यापार लगभग ठप होने की कगार पर है।व्यापारियों का कहना है कि 100 रुपये से ऊपर हर सामान पर टैक्स लगने से लागत बढ़ जाएगी और ग्राहक खरीदारी से पीछे हट जाएंगे। इससे छोटे व्यापारियों और मजदूरों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। फिर नेपाल से कटे बिहार के कुछ जिलों में नेपाली वाहनों को पेट्रोल-डीजल देने पर रोक लगा दी गई है। इससे सीमावर्ती इलाकों में लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। दरअसल नेपाल में पेट्रोल की कीमत 31 रुपये ज्यादा है। रोक के पीछे वजह बताई जा रही है कि यहां से पेट्रोल-डीजल की तस्करी हो रही है। हालांकि, आपात स्थिति में 50 से 100 रुपये की पेट्रोल-डीजल देने की इजाजत है। अररिया, किशनगंज में सीमा से सटे पेट्रोल पंप काफी हद तक नेपाली खरीदारों से भरे रहते थे। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। नेपाल वैसे भी पेट्रोल-डीजल के लिए भारत पर बहुत निर्भर रहता है लेकिन ईरान युद्ध के कारण स्थिति और विकट हो गई है। नेपाल में पिछले कुछ दिनों में कई बार दामों में इजाफा हुआ है। ऊपर से भारत में रोक लग जाने से नेपाली बहुत परेशान हैं। अब वहां के नेता मदद की गुहार लगा रहे हैं। नेपाल की महिला नेता ममता शर्मा पीएम मोदी को एक चिट्ठी भी लिखी है, जिसमें उन्होंने नेपाल और भारत के ऐतिहासिक रिश्तों की याद दिलाई है। बालेन सरकार का तर्क है कि यह कदम स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और राजस्व बढ़ाने के लिए उठाया गया है। लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर आम लोगों और छोटे कारोबारियों पर ज्यादा दिखाई दे रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और नेपाल के बीच 1950 की संधि के तहत खुले व्यापार और आवागमन की जो परंपरा रही है, उस पर इस तरह के एकतरफा फैसले असर डाल सकते हैं।

मजदूर : शहरों का ढांचा बुनने वाले, फिर भी हाशिए पर खड़े सपने

कृति आरके जैन

भोर की पहली किरण जब शहर की नींद पर धीरे से दस्तक देती है, उसी समय किसी निर्माण स्थल पर हथौड़े की चोटें नए कल की नींव रखने लगती हैं। यह ध्वनि केवल पत्थर नहीं तराशती, बल्कि उस भविष्य को गढ़ती है जिसे हम विकास के नाम से पहचानते हैं। धूल से सने, छालों से भरे ये हाथ ही वे अदृश्य निर्माता हैं, जिनकी मेहनत से कांच जैसी ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कों की रेखाएँ और उड़ान भरते एयरपोर्ट खड़े होते हैं। सुबह पाँच बजे चाय की भाप के बीच वे अपने बच्चों के सपनों को संवारते हैं, जबकि स्वयं शहर की रोशनी से दूर, तिरपाल के साए में रातें काटते हैं। उनकी थकान ही उनकी ताकत है—जीने की, बनाने की और टूटे सपनों को फिर से खड़ा करने की अदम्य जिद। 1 मई इस सच्चाई का स्मरण कराता है कि जिनके हाथों से दुनिया बनती है, उनकी आवाज कभी दबाई नहीं जा सकती—वह हर युग में उठती है और व्यवस्था की नींव हिला देने का सामर्थ्य रखती है।

ये मजदूर जिसे हम 'अनस्किल्ड' कहकर खारिज करते हैं, दरअसल सबसे जरूरी स्किल रखते हैं – वो स्किल जो मशीनें अभी सीख नहीं पाईं। ये लोग बिना तकनीक के भी प्रकृति के संकेत पहचान लेते हैं, सीमित संसाधनों में समाधान खोज लेते हैं और छोटी-सी सजगता से बड़े जोखिम टाल देते हैं। शहरों की ऊँचाइयाँ इन्हीं के परिश्रम से आकार लेती हैं, फिर भी वे व्यवस्था के किनारों पर ही खड़े रह जाते हैं। कोई तपती सड़क पर डिलीवरी करता है, कोई आग की लपटों में वेल्डिंग कर भविष्य गढ़ता है, तो कोई दूसरों के घरों में सेवा देकर जीवन को सहारा देता है। उनकी पहचान फिर भी केवल 'मजदूर' तक सिमटी रहती है। वास्तव में वे समाज की रीढ़ हैं—जिनके बिना आधुनिकता का ढांचा ढह सकता है, और अगर ये हाथ थम जाएँ तो स्मार्ट सिटी का सपना भी बिखर जाएगा।

विकास की ऊँचाइयों पर खड़ा आज का भारत, उन्हीं श्रमिक हाथों की नींव पर टिका है जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि अनौपचारिक क्षेत्र लगभग 12.81 करोड़ श्रमिकों को रोजगार देता है, जबकि निर्माण क्षेत्र में 90 प्रतिशत से अधिक कार्यबल असंगठित है। करीब 15 करोड़ प्रवासी मजदूर अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं और अनौपचारिक क्षेत्र कुल जीडीपी का लगभग 50 प्रतिशत योगदान करता है। ई-श्रम पोर्टल पर 31 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं। ये केवल आँकड़े नहीं, बल्कि उन अनगिनत कहानियों की गवाही हैं जहाँ पेट भरने के लिए कोई बिहार से दिल्ली, कोई उत्तर प्रदेश से मुंबई पहुँचता है। उनकी निःशब्द मेहनत ही देश की प्रगति का असली आधार है। अब एआई का युग है। हम स्मार्ट सिटी, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स की बात करते हैं, लेकिन एआई भी कहीं न कहीं श्रमिकों की स्किल पर ही निर्भर है। यह डिजाइन बना सकता है, ड्रोन नियंत्रित कर सकता है और डिलीवरी मार्ग सुधार सकता है, पर ईंट उठाना, वेल्डिंग करना या कठिन परिस्थितियों में काम पूरा करना आज भी मनुष्य के ही बस की बात है। एआई गिग वर्कर्स को बेहतर अवसरों से जोड़ रहा है और 2026 तक एआई-आधारित गिग अर्थव्यवस्था के 335 बिलियन डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। फिर भी, एआई थकान का अनुमान लगा सकता है, पर वह वह धैर्य और जिद नहीं दे सकता जो एक मजदूर बारिश में भी काम करते हुए दिखाता है। एआई मजदूरों का विरोधी नहीं, बल्कि सही उपयोग होने पर उनका सहयोगी बन सकता है। मजदूरों का संघर्ष अब केवल वेतन या कार्य-घंटों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सम्मान, सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य की लड़ाई बन चुका है। गिग अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों युवा तपती धूप और ठंडी रातों में सेवाएँ देते हैं, फिर भी उन्हें पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती। महिलाएँ घरेलू कार्य से लेकर निर्माण स्थलों तक अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, लेकिन समान अवसर और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अभी भी गंभीर कमी है। 1 मई 2026 इन्हीं प्रश्नों—महिला सशक्तिकरण, कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय—पर केंद्रित है। इतिहास साक्षी है कि मजदूरों की एकजुटता ने बदलाव रचे हैं, चाहे 1886 का शिकागो हो या आज का भारत। उनकी चुप्पी भी एक गहरा प्रश्न छोड़ती है—क्या उनकी भागीदारी के बिना प्रगति संभव है? हमें ऐसे समाज की आवश्यकता है जहाँ मेहनत को किसी वर्ग या दर्जे से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक मूल्य और गरिमा के आधार पर देखा जाए। जहाँ कोई बच्चा अपने पिता को मजदूर कहकर शर्मिंदा न हो, बल्कि पूरे गर्व से उनका सम्मान करे। नीतियाँ ऐसी हों कि एआई मजदूरों का सशक्त सहायक बने—उन्हें ऑनलाइन कौशल प्रशिक्षण, वास्तविक समय सुरक्षा निगरानी और न्यायसंगत आय की सुनिश्चितता दे। निर्माण स्थलों पर एआई-सहायता प्राप्त आधुनिक उपकरण श्रम का बोझ भले हल्का करें, लेकिन आत्मसम्मान और गौरव को कभी कम न करें।

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित कराने मध्य प्रदेश सरकार ने लिया संकल्प

प्रमोद भार्गव

महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने अनूठी पहल की है। विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर नारी शक्ति वंदन का संकल्प लिया है। इस संकल्प लेने का उद्देश्य है कि विधेयक को कानूनी रूप देते समय जो चूक हो गई थी, उसे संशोधित कर दिया जाए। इसमें प्रावधान है कि 2021 की जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह कानून लागू होगा। किंतु कोरोना के चलते 2021 की जनगणना टालनी पड़ी। अब जनगणना के पहले चरण की शुरुआत हुई है, जिसके अंतिम परिणाम 2028 तक आएंगे। इसलिए केंद्र सरकार विधेयक के पारित हो चुके प्रारूप में संशोधन के लिए प्रस्ताव लाई थी, जो संसद में पारित नहीं हो सका। 2023 में पारित हुए इस विधेयक में संशोधन किए बिना 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। परिसीमन से तात्पर्य निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निधारण से है। वास्तव में संसदीय विपक्ष ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़े संविधान संशोधन परिसीमन और केंद्र शासित क्षेत्र कानून संशोधन विधेयकों को अस्वीकार करके बड़ी भूल की है। इस कारण 2029 के चुनाव में 33 प्रतिशत महिलाएं आरक्षण के लाभ से वंचित रह जाएंगी। नरेंद्र मोदी जब से केंद्रीय सत्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, तभी से लगातार उन्हें चुनावों में नारियों ने बढ़-चढ़कर समर्थन दिया है। इसी कारण न केवल मोदी लोकसभा में तीसरी बार बहुमत लाने में सफल रहे बल्कि भाजपा और राजग गठबंधन के सहयोगी दलों को विधानसभाओं में भी विजय दिलाने में सफल हुए हैं। देष की महिलाओं को निर्वाचन में भागीदारी का उचित लाभ दिलाने की दृष्टि से मध्य प्रदेश सरकार ने विधानसभा में नारी शक्ति वंदन संकल्प पर 8 घंटे चर्चा की और उसे ध्वनि मत से पारित भी कर दिया। विपक्ष के सवालों का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ठीक ही कहा कि 'कांग्रेस अपनी नकारात्मक राजनीति के जरिए देश को फिर से दंगों के दौर में ले जाना चाहती है। धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कांग्रेस की मांग को जनता कभी क्षमा नहीं करेगी। यह अधिनियम सदी की सबसे बड़ी क्रांतिकारी पहल थी, जिसे कांग्रेस एवं अन्य विपक्ष ने लागू नहीं होने दिया। साफ है, कांग्रेस की नियत में खोट है।'वाकई यदि कांग्रेस की नियत में खोट नहीं होता तो यह विधेयक बहुत पहले लागू हो चुका होता। किंतु परिसीमन के बहाने एक बार फिर महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 2029 से मिलने जा रही आरक्षण की सुविधा से वंचित कर दिया। इस विधेयक के अनुसार सभी राज्यों में एक समान रूप से 50 प्रतिशत सीटों की बढ़ोत्तरी की जानी है। परंतु विपक्ष की यह आशंका बनी रही कि परिसीमन के बहाने सीटों की संरचना कुछ इस तरह से निर्धारित होगी कि भाजपा समर्थित वोट बड़ी संख्या में क्षेत्र विशेष में समा जाएं। दरअसल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों के दल प्रमुखों ने यह अंदाजा लगा लिया कि इन प्रांतों में जनसंख्या कम होने के कारण राजनीतिक रूप से वे नुकसान में रहेंगे। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस पहल को संघीय ढांचे को कमजोर करने और दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक आवाज को दबाने वाला कदम बता दिया था और तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा था कि इतना बड़ा संवैधानिक बदलाव सभी दलों की सहमति के बिना संभव नहीं है। इन साझा आवाजों की बुलंदी ने इन विधेयकों को पारित नहीं होने दिया। नारी शक्ति को नकारने की समूचे विपक्ष ने बड़ी भूल कर दी है, जिसके परिणाम उसे आने वाले चुनावों में भुगतने पड़ सकते हैं ? इन विधेयकों को लटकाने के लिए विपक्ष ने कोटे में कोटा देने का उपाय की भी मांग कर डाली थी। इसी को लेकर मोहन यादव ने तार्किक उत्तर देते हुए विधानसभा में कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण की मांग सर्वथा अनुचित है। मायावती ने इस विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि 33 प्रतिशत कोटे में एससी-एसटी और ओबीसी की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था हो। आरक्षण के कोटे में विभिन्न वर्गों के लिए अलग से आरक्षण लागू करने की यह बात विपक्ष ने उस समय नहीं उठाई थी, जब 2023 में विधेयक को लाया गया था।

सार-समाचार

..... हेलमेट के सहारे धूप से बचती महिलाएं।

पलंग से गिरे 4 माह के मासूम की मौत

इंदौर (नगर संवाददाता)। 4 माह के मासूम की मौत हो गई। बच्चा अपनी 6 साल की चचेरी बहन की गोद से फिसलकर जमीन पर गिर गया था। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आजाद नगर थाना क्षेत्र के भील कॉलोनी में यह हादसा हुआ। 4 माह का रियांश पिता राजकुमार अपनी 6 साल की चचेरी बहन की गोद में था। बच्ची उसे लेकर करीब 3 फीट ऊंचे बेड पर बैठी थी। इसी दौरान खेलते समय वह अचानक हाथ से छूटकर नीचे मुंह के बल गिर गया। गिरते ही बच्चे की सांसें थमने लगीं। घबराई बच्ची ने तुरंत इसकी जानकारी परिजनों को दी। उस समय मां बाथरूम में थी। बाहर आकर उसने सास और अन्य परिजनों को बताया, जिसके बाद सभी उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजन बच्चे को एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के मुताबिक हादसे के वक्त मां और दादी घर के काम में व्यस्त थीं। बच्ची रियाश को खिलाने के लिए गोद में लेकर आई थी। रियाश का एक 4 साल का बड़ा भाई भी है। पिता राजकुमार निजी कंपनी में काम करते हैं।

जन्मदिन पार्टी में झगड़ा, युवक को मारा चाकू

इंदौर (नगर संवाददाता)। तेजपुर गड़बड़ी इलाके में जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गए युवक को आरोपियों ने बेवजह गालियां दीं और मना करने पर चाकू घोंप दिया। पुलिस ने घायल की शिकायत पर तीन हमलावरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। राजेंद्र नगर पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार रात की है। घायल किशन उर्फ बंटी पिता मनोहर लाल असरानी निवासी अबीर-विहार कॉलोनी का निवासी है। उसने पुलिस को बताया कि वह अपनी मां के घर के पास रहने वाले योगेश के घर गया था। वहां योगेश अपनी बेटी का जन्मदिन मना रहा था। उसी कार्यक्रम में आरोपी शंकर उर्फ राहुल, राहुल राठौर और सोनू भूरा तीनों निवासी तेजपुर गड़बड़ी भी मौजूद थे। फरियादी किशन ने बताया कि जैसे ही उसने आरोपियों को देखा, उन्होंने बिना किसी कारण के उसे गालियां देना शुरू कर दिया। किशन ने जब उन्हें गालियां देने से मना किया, तो तीनों आरोपी एक साथ उस पर टूट पड़े और लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट करने लगे। इसी बीच एक आरोपी ने अपने पास रखा चाकू निकाला और किशन पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। इस दौरान लोगों की भीड़ जमा हुई तो आरोपी धमकाते हुए भाग निकले।

कार चालक को टोका तो फोड़ दिया सिर

इंदौर। गोयल नगर इलाके में एक तेज रफ्तार कार चालक ने स्कूटर सवार युवक को न केवल सरेराह पीटा, बल्कि कार में रखे डंडे से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया। तिलक पुलिस के अनुसार, घटना सोमवार रात को हुई। सोनू पिता सुभाष व्यास निवासी तिलक नगर अपने स्कूटर से घर की ओर जा रहा था तभी शकुंतला अस्पताल के पास वाली गली गोयल नगर में एक कार चालक काफी तेज गति और लापरवाही से कार चलाते हुए आया। सोनू ने सावधानी के तौर पर युवक को इशारा करते हुए कार धीरे चलाने की समझाइश दी। सोनू द्वारा टोकने पर कार चालक आपा खो बैठा। उसने तुरंत कार को बीच रास्ते में रोका और सोनू के पास आकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। सोनू ने जब गाली देने से मना किया, तो आरोपी ने पहले तो उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की और फिर कार से डंडा निकालकर उसके सिर पर जोरदार वार कर दिया। हमले में सोनू का सिर फूट गया और वह लहूलुहान हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपनी कार लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, साथी घायल

इंदौर। एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया है। डंपर और मोटरसाइकिल की आमने-सामने हुई यह भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि बाइक सवारों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसा गांधी नगर थाना क्षेत्र में सोमवार की रात हुआ। मृतक की पहचान 36 वर्षीय मोहन पिता गुलाब तंवर निवासी ग्राम रिजलाय के रूप में हुई है। मोहन सोमवार रात अपनी बाइक से अपने एक साथी के साथ कहीं जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि बाइक सवार मोहन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, बाइक पर पीछे बैठा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। राह चलते लोगों ने हादसा देखा तो पुलिस को सूचना दी और घायल को आनन-फानन में उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मामले में पुलिस टक्कर मारने वाले डंपर की तलाश कर रही है।

हीरानगर पुलिस ने गुम 40 मोबाइल लौटाए

इंदौर (नगर संवाददाता)। हीरानगर पुलिस ने 40 गरीब परिवारों के सदस्यों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी,इनके मोबाइल गुम होने के कारण इन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कई तो ऐसे थे जिन्होंने मोबाइल किश्तों पर खरीदे थे,मोबाइल खो देने के बाद भी वे किश्त भर रहे थे। थाना प्रभारी सुशील पटेल के मुताबिक ऑनलाइन और ऑफलाइन शिकायतें में मोबाइल गुम होने की ज्यादा शिकायतें थी। शिकायतों के अनुसार गुम हुए मोबाइलों को तलाशा गया और उन 40 परिवारों से संपर्क कर उन्हें मंगलवार को लौटाया गया है। अभी भी कई ऐसे मोबाइल है जो पूरी तरीके से सर्चिंग पर हैं जल्द उन्हें भी तलाश कर उन परिवारों से संपर्क कर दे दिए जाएंगे। मोबाइल लेने आए कुछ ऐसे लोग भी थे जिनमें से विशाल नामक युवक ने बताया कि वह पानी बतासे बेचकर अपना घर चलाते हैं लेकिन अचानक से मोबाइल कहीं गिर गया था और जब से लेकर अब तक उन्हें मोबाइल नहीं मिला। आज पुलिस ने उन्हें वापस कर दिया इसके लिए पुलिस का धन्यवाद। ऑनलाइन बाइक राइडर युवक का भी मोबाइल अचानक से कहीं गिर गया था और उसके मोबाइल की किस्त ऑनलाइन कट रही थी पूरी किस्त भरने के बावजूद भी मोबाइल उसके पास नहीं था लेकिन आज पुलिस ने उसे वापस लौटाया ऐसे कई लोग थे जिन्हें मोबाइल मिलने पर उन्होंने पुलिस को धन्यवाद दिया है।

मध्य प्रदेश सरकार के UGC सर्कुलर पर हाईकोर्ट सख्त

सामान्य वर्ग के छात्रों को शिकायत फोरम से वंचित करना कहाँ तक उचित...

हाई कोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणी, सामान्य वर्ग के छात्रों को भी मिली राहत

इंदौर। माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इंदौर खंडपीठ में माननीय मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की युगलपीठ के समक्ष एक अत्यंत महत्वपूर्ण रिट याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें शिक्षा संस्थानों में समानता एवं भेदभाव के प्रश्न को केंद्र में रखा गया था।

प्रकरण WP No. 5676/2026 - अम्बर शर्मा बनाम भारत संघ एवं अन्य

मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिनांक 02.02.2026 को जारी उस परिपत्र को चुनौती दी गई है, जिसके माध्यम से त्तष्ट Regulations 2023 के क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए थे। 9 उक्त परिपत्र के तहत मध्य प्रदेश राज्य के विश्वविद्यालयों की स्टूडेंट ग्रीवेंस रिड्रेसल कमिटी को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला, दिव्यांग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों की भेदभाव संबंधी शिकायतों तक सीमित कर दिया गया था, जिससे सामान्य एवं अनारक्षित वर्ग के

विद्यार्थी इस व्यवस्था से बाहर हो गए थे।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से यह सवाल उठाया गया कि क्या मध्य प्रदेश शासन यह मानता है कि सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव संभव ही नहीं है। 'भेदभाव केवल एकतरफा नहीं हो सकता, भेदभाव किसी भी वर्ग के साथ हो सकता है और समानता का सिद्धांत सभी पर समान रूप से लागू होता है। इसी के साथ माननीय न्यायालय ने राज्य के समस्त विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया कि स्टूडेंट ग्रीवेंस रिड्रेसल कमिटी अब सामान्य एवं अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों की शिकायतें भी स्वीकार करेगी।

सुनवाई के दौरान यह महत्वपूर्ण तथ्य भी सामने आया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने मृत्युंजय तिवारी प्रकरण में दिनांक 29.01.2026 को UGC 2026 Regulations के कुछ प्रावधानों को संवैधानिक प्रश्नों के मद्देनज़र स्थगित (abeyance) रखा है। इसके बावजूद मात्र तीन दिन बाद राज्य शासन द्वारा 02.02.2026 को परिपत्र जारी कर समान प्रकृति (pari mate-ria) के प्रावधानों को लागू करने का प्रयास किया गया।

याचिकाकर्ता ने माननीय न्यायालय के समक्ष राज्य शासन के उक्त आचरण व मानसिकता पर भी प्रश्न उठाये आख़िरी एमपी सरकार की ऐसी क्या मानसिकता रही होगी जो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा विवादित यूजीसी 2026 को स्थगित करने के तीन दिन बाद ही केवल सामान्य छात्रो को वंचित करते हुए शेष सभी वर्गों के छात्रो के साथ कथित भेदभाव की शिकायत के निराकरण हेतु निर्देश जारी किए गए

यह अत्यंत चिंताजनक है की केंद्र सरकार की यूजीसी गाइडलाइन में केवल एससी एसटी ओबीसी थे जबकि मध्य प्रदेश शासन के परिपत्र में एससी एसटी ओबीसी के अतिरिक्त अल्पसंख्यकों को भी उक्त निर्देशों का लाभ दिया गया।

ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार

इंदौर। हीरानगर पुलिस ने एक शातिर तस्कर को पकड़ा है। आरोपी के कब्जे से 08 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 80 हजार रुपये है। आरोपी इतना शातिर है कि वह पुलिस से बचने के लिए अपनी असली पहचान छुपाकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता था। हीरानगर पुलिस की टीम क्षेत्र में गश्त और संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस दल जब आईटीआई मैदान के पास पहुंचा, तो वहां एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही वह घबराकर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। संदेही की सघन तलाशी लेने पर उसके पास से 08 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। गिरफ्तार आरोपी का नाम लक्की उर्फ लखन पिता ईश्वर श्रीवंशनिवासी अर्जुन सिंह गौहर नगर है। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि लक्की के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न थानों में 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी अपनी असली पहचान छुपाकर वारदातों को अंजाम देने में माहिर है। हीरानगर पुलिस आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

चिकन लाने से मना करने पर हमला

इंदौर। एक युवक ने चिकन लाने से इन्कार किया तो बदमाशों ने उस पर हमला किया और धमकी देकर फरार हो गए। परदेशीपुरा पुलिस के अनुसार कमल पिता शेर वर्मा ने पुलिस को दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनका साथी गणेश उन्हें चिकन लाने के लिए दबाव डाल रहा था। जब कमल ने साफ मना कर दिया तो गणेश आक्रोशित हो गया और गालियां देने लगा। विवाद के दौरान गणेश के दो अन्य साथी पन्ना और धर्मेंद्र भी वहां पहुंच गए। तीनों ने मिलकर कमल पर डंडों से हमला कर दिया और सिर पर किसी नुकीली वस्तु से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले के बाद तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

शोरूम और मकान को चोरों ने बनाया निशाना

शटर उचकाकर शोरूम से नकदी और सामान पार, सूने घर में घुसकर जेवरात व नगदी चोरी

इंदौर (नगर संवाददाता)। एरोड्रम थाना क्षेत्र में चोरों ने दो अलग-अलग स्थानों पर वारदात को अंजाम देते हुए पुलिस को खुली चुनौती दी है। एक ओर जहां चोरों ने शोरूम का शटर उचकाकर नकदी और सामान चोरी कर लिया, वहीं दूसरी घटना में सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों के जेवरात और नगदी पार कर दी गई। पहली घटना सुविधा नगर चौराहे के पास स्थित एक टीवीएस शोरूम की है। फरियादी आभा यादव ने पुलिस को बताया कि 24 अप्रैल की रात 10 बजे से 25 अप्रैल की सुबह 10 बजे के बीच किसी अज्ञात बदमाश ने शोरूम का शटर उचकाकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद टेबल की दराज में रखी नगदी राशि, एक चेकबुक और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। घटना का पता सुबह शोरूम खुलने पर चला। वहीं दूसरी घटना कालानी नगर क्षेत्र में सामने आई। फरियादी यश मंगल के अनुसार, 25 अप्रैल की सुबह 11 बजे से 26 अप्रैल की रात 9 बजे के बीच अज्ञात चोर घर के पिछले दरवाजे से अंदर घुसे। चोरों ने अलमारी का लॉक तोडकर उसमें रखी नगदी के साथ सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घर के सदस्य बाहर होने के कारण वारदात का पता देर से चला। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के रहवासियों में दहशत का माहौल है।

कमिश्नर ने किया खजराना थाने का निरीक्षण

इंदौर। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को निरीक्षण के लिए पुलिस कमिश्नर संतो, कुमार सिंह खजराना थाने पहुंचे। आयुक्त के थाने पहुंचने की खबर मिलते ही खजराना थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव सहित कई अधिकारी भी वहां पहुंचे। आयुक्त ने थाना प्रभारी से क्षेत्र के बारे में जानकारी ली।

संजय सेतु लिंक रोड पर नगर निगम की कार्रवाई।

... तो हो जाती ज्वेलरी की दुकान में डकैती

वारदात के पहले ही पुलिस ने पांच बदमाशों को पकड़ा, हथियार बरामद

इंदौर (नगर संवाददाता)। शहर में एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश को पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। कनाडिया थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो ज्वेलरी दुकान में डकैती की योजना बना रहे थे।

आरोपियों के पास से हथियार और वारदात में उपयोग होने वाला सामान भी जब्त किया गया है। यदि पुलिस समय रहते कार्रवाई नहीं करती तो ज्वेलरी दुकान में डकैती हो जाती और आरोपी भाग निकलते। पुलिस के अनुसार, सोमवार की देर रात करीब 1-40 बजे सूचना मिली थी कि बिचौली मदार्ना बायपास स्थित मिलन ग्रेंड गार्डन के पास एक खाली मैदान में कुछ युवक संदिग्ध हालत में इकठ्ठा होकर किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और टीन शेड की आड़ में बैठे पांच युवकों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने संचार नगर चौराहे के पास स्थित एक ज्वेलरी दुकान में लूट की योजना बनाना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों की तलाशी ली तो उनके पास से एक काले-लाल रंग की बजाज पल्सर मोटरसाइकिल, कटर मशीन, बैटरी, लोहे की टामी, पेंचकस, रिंच, मास्टर चाबी (रिंग पाना) और एक फोल्डिंग धारदार चाकू बरामद हुआ। इसके अलावा एक आरोपी के पास से 100 ग्राम लाल मिर्च पाउडर भी मिला, जिसका उपयोग वारदात के दौरान किया जाना था। गिरफ्तार आरोपियों में गौरव सिंगार, कुन्दन ठाकुर, विकास सोलंकी, बलराम ठाकुर और रोहित शामिल हैं, जो धार जिले के विभिन्न गांवों के निवासी हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई होने से एक बड़ी डकैती टल गई। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है, जिससे अन्य आपराधिक गतिविधियों के बारे में भी जानकारी मिलने की उम्मीद है।

शातिर वाहन चोर से 4 स्कूटर जब्त

इंदौर (नगर संवाददाता)। जूनी इंदौर क्षेत्र में पिछले एक माह से वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाते हुए पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए कुल 4 स्कूटर बरामद किए हैं। पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। जूनी इंदौर पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में लगातार मिल रही स्कूटर चोरी की शिकायतों के बाद पुलिस सक्रिय थी। मुखबिर से सूचना मिली कि देवश्री टॉकीज के सामने एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी का स्कूटर सस्ते दाम में बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी की और संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल उर्फ बहरा पिता अजय उठवाल निवासी हरिजन कॉलोनी बताया। जब पुलिस ने उससे वाहन के वैध दस्तावेज मांगे, तो वह कोई कागजात नहीं दिखा सका। सख्ती से पूछताछ करने पर वाहन चोरी का निकला और आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी विशाल से हुई सघन पूछताछ में उसने शहर के अलग-अलग स्थानों से कुल 4 स्कूटर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चारों चोरीशुदा वाहन बरामद कर लिए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन वाहनों को वह आगे किसे बेचने की फिराक में था और इसमें उसके कोई अन्य साथी शामिल हैं या नहीं।

स्मीता पति विनोद सोनी उम्र 52 जी?ई 41 ए ज्ञानशीला सुपर सिटी ढाबली की रहने वाली है, इनका शव ज्ञानशीला सुपर सिटी ढाबली के नाले के समीप मिला । एफ एस एल टीम जांच करने पहुची । ... शव को पोस्ट मार्टम के लिए वाय पहुचाया गया है... मौत का कारण स्पष्ट नही हुआ है। फोटो जर्नलिस्ट नवीन मौर्य

बुजुर्ग महिला को धमकाया

इंदौर। तिलकनगर क्षेत्र में कार में सवार होकर तीन आरोपी एक बुजुर्ग महिला के घर पर घुसे और गेट पर लात मारी। आरोपियों ने गेट न खोलने पर धमकाया और भाग गए। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक घटना राधाकृष्ण विहार कालोनी में हुई। पुलिस ने फरियादी इंदिरा पति असोक कुमार जैन की रिपोर्ट पर कार में सवार राजेश जैन और अन्य स ाथियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी मेरे घर के मेन गेट पर आए। कार बाहर खड़ी कर तीनों ने गेट को लात मारकर धक्का दिया और बरामदे में घुसकर जोर जोर से चिल्लाते हुए गालियां दी।

बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी

सोनम रघुवंशी को मिली सशर्त जमानत, नहीं आ पाएंगी अभी इन्दौर

इन्दौर । मेघालय के सोहरा (चेरापूंजी) में पिछले साल हुए बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलांग की एक स्थानीय अदालत ने मामले की मुख्य आरोपी और मृतक की पत्नी, सोनम रघुवंशी की जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। करीब 11 महीनों से न्यायिक हिरासत में बंद सोनम को यह राहत उनकी चौथी जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान मिली। क्या था पूरा मामला - मई 2025 में इंदौर निवासी बिजनेसमैन राजा रघुवंशी अपनी पत्नी सोनम के साथ हनीमून मनाने मेघालय गए थे। वहां से राजा के लापता होने की खबर आई और बाद में 2 जून 2025 को सोहरा के पास वेई सावदोंग फॉल्स (ड्ढड्डद्ध स्ड्ड2स्रश्ठ्ठद्द स्रड्डद्यद्यह्य) की एक गहरी खाई से उनका शव बरामद हुआ। पुलिस और एसआईटी (स्ढ्डज्ञ) की जांच में खुलासा हुआ

था कि यह महज हादसा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी। पुलिस का आरोप है कि सोनम ने अपने कथित प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची थी और इसके लिए तीन कॉन्ट्रैक्ट किलर्स को सुपारी दी गई थी। उसके बाद सोनम रघुवंशी और उसकी साथ इस हत्याकांड में सहयोगी राज कुशवाह तथा अन्य को शिलांग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था तभी से वह जेल में थी। हालांकि अदालत ने सोनम को जमानत दे दी है, लेकिन उन पर कड़ी शर्तें लागू की गई हैं ताकि वे जांच को प्रभावित न कर सकें इसके चलते शहर छोड़ने पर रोकः सोनम को बिना कोर्ट की अनुमति के शिलांग से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। दैनिक उपस्थितिः उन्हें रोजाना स्थानीय पुलिस स्टेशन जाकर अपनी हाजिरी दर्ज करानी होगी। साक्ष्यों की सुरक्षाः वे किसी भी गवाह या सबूत से संपर्क करने या उन्हें प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगी। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एसपी (पूर्वी खासी हिल्स) ने कहा कि पुलिस ने अपना काम ईमानदारी से किया और समय पर चार्जशीट दाखिल की थी। जमानत मिलना अदालत का विवेकपूर्ण अधिकार है।

वहीं मृतक राजा रघुवंशी के भाई विपिन रघुवंशी ने इस फैसले पर गहरा असंतोष जताया है। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा, यह हमारे लिए न्याय की लड़ाई में एक बड़ा झटका है। हम इस जमानत आदेश को चुनौती देने के लिए जल्द ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। बता दें कि इस मामले में आरोपी बनाए गए, लोकेंद्र सिंह तोमर, बलबीर अहिरवार और शिलोम जेम्स पहले ही जमानत पर बाहर हैं। वहीं, मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा राज कुशवाहा फिलहाल जेल में ही है।

संघ ने इन सो सालों में पूरी शक्ति समाज ओर राष्ट्र निर्माण में लगाई है - सुनील आंबेकर

इन्दौर(राष्ट्रीय जनभावना)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील जी आम्बेकर ने कहा कि , एकत्व का भाव ही हिन्दुत्व है। विभाजित करने वाला नहीं बल्कि सभी को जोड़कर चलने का भाव ही वास्तव में हिन्दुत्व है। भारत का परिचय ही हिन्दुत्व से है, इसलिये ही भारत पूरी तरह हिन्दु राष्ट्र है। संघ ने अपने पूरे सौ सालों में पूरी शक्ति समाज और राष्ट्र निर्माण में लगायी है। अच्छा समाज और महान राष्ट्र बनाना ही संघ का ध्येय रहा है। इस कार्य में समाज का पूरा सहयोग मिला, लेकिन अब समाज के सहयोग की नहीं बल्कि सहभागी बनने का समय आ गया है। समाज पंच परिवर्तन से सीधे जुड़े और एक बड़े परिवर्तन की ओर राष्ट्र को ले जाएं।

श्री आम्बेकर रविवार को विजय नगर स्थित जीएसआईएमआर में लेखन श्रेणी की प्रमुख जन गोष्टी में महानगर के प्रख्यात संपादक,पत्रकार,स्तंभ लेखक,साहित्यकार एवं सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर को सम्बोधित कर रहे थे। संघ के शताब्दी वर्ष में विभिन्न श्रेणियों की प्रमुख जन गोष्टियां आयोजित की जा रही है। श्री आम्बेकर जी ने कहा, हम दिखते अलग-अलग है, लेकिन एक ही है। इस अनुभूति ने ही हिन्दुत्व को स्थापित किया है। हिन्दु के मन में कभी भी तोड़ने की बात नहीं आती है, वह तो जोड़ने में विश्वास करने वाला है। एकत्व के भाव की व्यापकता ही वास्तव में भारत की संस्कृति है और जो इस संस्कृति को मानते है वे सभी हिन्दु है। हिन्दुओं से मिलकर ही भारत बना है, इसलिये भारत एक हिंदु राष्ट्र है। आपने कहा कि वास्तव में देखा जाए तो भारत की यात्रा ही हिन्दु की यात्रा है। भारत के लोग अब भारत को समझने लगे है और विश्व पटल पर भी यह बात मानी जा रही है। यही कारण है कि आज राम बोलने में भारत के लोग संकोच नहीं कर रहे है और न ही वंदे मातरम् गाने में। वह समय जल्द ही आएंगा जब हिंदु, विश्व पटल पर सर्वोच्च स्थिति में होगा।

संघ के सौ सालों की यात्रा पर श्री आम्बेकर जी ने कहा, संघ ने इन सौ सालों में अपनी पूरी शक्ति समाज और राष्ट्र निर्माण के लिये लगायी। संघ ने समाज, राष्ट्र और धर्म के लिये ही लगातार काम किया है। एक छोटे से समुह से संघ आरंभ हुआ लेकिन आज समाज के सहयोग ने इसका बड़ा स्वरूप देखने को मिल रहा है। इन सौ सालों में संघ का आधार नहीं बदला और न ही उद्देश्य। अच्छा समाज और महान राष्ट्र का निर्माण ही संघ का आधार रहा है। संघ ने हमेशा से ही समाज के लिये ही काम किया। संघ की स्थापना के समय में भी समाज और राष्ट्र सर्वोपरि था और आज भी है। भविष्य में भी इसमें कोई बदला नहीं होगा। परिणाम यह हुआ कि आज भारतीयों का भाव राष्ट्र के लिये जागृत हुआ। समाज में यह परिवर्तन देखने को भी मिल रहा है। मंदिरों में युवाओं की भीड़, बच्चों के नाम भारतीय संस्कृति के अनुरूप रखने जैसे कई बदलाव भारतीय समाज में हो रहे है। वास्तव में यह परिवर्तन का आरंभ है और इसमें तेजी लाने की जरूरत है। श्री आम्बेकर जी ने कहा, संघ के कामों में समाज का पूरा सहयोग मिला। संघ समाज आधारित व्यवस्था ही है। समाज में बड़े परिवर्तन समाजजनों के सहयोग के बिना संभव ही नहीं है। अब समय आ गया है कि समाज सहयोगी बनने के साथ ही सहभागी बने।

एसजीएसआयटीएस में शैक्षणिक संस्थाओं के संचालकों की प्रमुख जन गोष्ठी में श्री सुनील आम्बेकर ने कहा की

संघ अब सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्य के पंच परिवर्तन के साथ आगे बढ़ रहा है। समाज इन पंच परिवर्तन को अपनाएं और तेजी से इन पर काम करें। भारत आने वाले दिनों में बड़े परिवर्तन की ओर है, जिसमें समाज की सहभागिता जरूरी है। सामाजिक समरसता की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। हमें यह ध्यान रखना होगा कि हम सभी जाति के लोगों को जोड़े, ताकि एक मजबूत समाज बनाया जा सके। समाज से जाति आधारित भेदभाव मिटाना होगा। पर्यावरण सरंक्षण भी महत्वपूर्ण है, जिसमें हमें अपने जीवन को पर्यावरण से सीधे जोड़ना होगा। यह मुद्दा भारत का नहीं बल्कि विश्व का है, जिसमें भारत को पहल करना होगी। पर्यावरण आधारित जीवन पूरी बाजार व्यवस्था को बदल देगा और भारत आर्थिक समृद्धि की ओर बढ़ेगा।

माधव सृष्टि में आयोजित आईटी संस्थानों की प्रमुख जन गोष्ठी में अपने उद्बोधन में श्री सुनील आम्बेकर ने कहा कि

, परिवार में भारतीय संस्कृति, धर्म, परंपराओं के साथ ही पारिवारिक दायित्वों का बोध होना चाहिये ताकि एक मजबूत समाज को स्थापित किया जा सके। हर भारतीय को अपनी संस्कृति, अपनी जीवन पद्धति, अपने मूल्य आधारित जीवन शैली ही अपनाना होगी। हमें स्वयं आधारित व्यवस्था की तरफ जाना ही होगा, जो भारत को मजबूती प्रदान करेगा। हमें स्वयं की ताकत का अंदाजा होना चाहिये और उसे ही अपनाकर हमें आगे बढ़ना है। आपने कहा, नागरिक कर्तव्य अपने आप में एक बड़ी पहल है। भारत के हर नागरिक को अपने नागरिक कर्तव्यों की जानकारी होना ही चाहिये। ये सभी कर्तव्य हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए है, जो भारत को एक मजबूत व्यवस्था प्रदान करते है। आपने कहा कि देखा जाए तो हमारी धर्म ही वास्तव में नागरिक कर्तव्य है, जिसका हमें पालन करना है। यह केवल बड़े परिवर्तन का आरंभ है, जिसके लिये समाज को आगे आकर सहभागिता करनी होगी।

इसी क्रम में जीएसआईएमआर में कोचिंग संस्थान संचालकों की प्रमुख जन गोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री आम्बेकर जी ने कहा, डा. केशव बलिराम हेडगेवारजी ने संघ की स्थापना ही हिन्दु समाज को जोड़ने और राष्ट्र निर्माण के लिये की थी। डा. हेडगेवार सच्चे देशभक्ति थे और उन्होंने हमेशा ही हिंदु समाज को एकत्रित करने की दिशा में काम किया। उनका मानना था कि भारत को यदि पुनरूत्थान की दिशा में ले जाना है तो हिन्दु समाज को एकत्रित करना ही होगा। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों ने भारत माता, डा. हेडगेवार और गुरूजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। समापन वंदे मातरम् से हुआ।

6माह के मासूम के गले में फंसा 1.5इंच का ढक्कन

डॉक्टर बोले- माउथिंग स्टेज में बच्चों को कुछ भी खाने से बचाएं

इंदौर।

इंदौर में डॉक्टरों की तत्परता और कुशलता ने 6 माह के एक मासूम की जिंदगी बचा ली। शहर के निजी अस्पताल में हुए इस सफल उपचार ने एक संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। रविवार को छह माह का तनिष्क अहिरवार घर पर खेलते समय स्टील का करीब डेढ़ इंच का ढक्कन मुंह में डाल बैठा। यह ढक्कन उसके गले में फंस गया, जिससे उसकी सांस लेने में गंभीर दिक्कत शुरू हो गई। घबराए परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने जांच में पाया कि ढक्कन श्वास मार्ग को प्रभावित कर रहा है और थोड़ी भी देरी जानलेवा हो सकती थी। ऐसे में

बिना समय गंवाए इमरजेंसी प्रक्रिया शुरू की गई। इस जटिल प्रक्रिया का नेतृत्व एनेस्थेटिस्ट डॉ. यश मेहता और मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ. सर्वप्रिया शर्मा ने किया। उनके साथ डॉ. राजेश वाधवानी और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने समन्वय के साथ बेहद सावधानी से ढक्कन बाहर निकाला, जिससे सर्जरी की नौबत टल गई।

सर्जरी के बाद हालत स्थिर

सफल प्रक्रिया के बाद बच्चे को निगरानी में रखा गया। कुछ ही समय में उसकी सांस सामान्य हो गई और स्वास्थ्य में तेजी से सुधार देखा गया। डॉक्टरों के अनुसार अब बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है। परिजनों ने भावुक होकर डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ का आभार जताया। विशेषज्ञों के मुताबिक 6 माह से 3 साल तक के बच्चे माउथिंग स्टेज में होते हैं, जिसमें वे हर चीज मुंह में डालने की कोशिश करते हैं।

दो दिवसीय नरसिंह जयंती महोत्सव का हुआ शुभारम्भ

बंधुओं ने पंचामृत से किया लक्ष्मी नरसिंह का महाभिषेक

इंदौर।

जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा की मेजबानी में आज सुबह छत्रीबाग स्थित लक्ष्मी नरसिंह मंदिर पर हुआ शुभारंभ, कल सुबह निकलेगी शोभायात्रा

जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा इंदौर द्वारा आयोजित भगवान नरसिंहदेव के पावन प्राकट्य महोत्सव का शुभारम्भ सुबह छत्रीबाग स्थित प्राचीन लक्ष्मी नरसिंह मंदिर पर 21 विद्वानों के निर्देशन में पोरवाल समाज के हजारों बंधुओं ने पंचामृत से भगवान नरसिंह के महाभिषेक के साथ किया। जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा इंदौर की उत्सव समिति के अरुण पोरवाल ने बताया कि छत्रीबाग स्थित प्राचीन मंदिर पर सुबह से भगवान नरसिंह के भक्तों का परम्परागत परिधानों में सज-धजकर आगमन शुरू हो गया था। घंटे-घड़ियाल और 21 विद्वानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जैसे ही महाभिषेक शुरू हुआ समूचा मंदिर परिसर भगवान नरसिंह के जयघोष से गूंज उठा।

इस अवसर पर जांगड़ा पंचायती सभा के अध्यक्ष रामदयाल फरकिया एवं मुक्य यजमान समाजसेवी जगदीश कन्हैयालाल गुप्ता खेजडियावाला, श्याम राणापुर, सुभाष धनोतिया, राजकुमार मेहता, अमित मेहता, बलराम गुप्ता, संतोष मेहता, मुनमुन रत्नावत, हेमलता घाटिया, मंजू धनोतिया एवं प्रियंका गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कल निकलेगी भव्य शोभायात्रा

गुरुवार 30 को सुबह 8 बजे छत्रीबाग स्थित मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें एक रथ पर भगवान लक्ष्मी नरसिंह एवं दूसरे रथ पर जगदगुरु स्वामी रामदयाल महाराज विराजित रहेंगे। दोनों रथों को 11 किस्म के 5 क्विंटल फूलों से सजाया गया है ।

भगवान लक्ष्मी नरसिंह के रथ को समाज के युवा और महिलाऐं अपने हाथों से रस्सी की मदद से खींचते हुए चलेंगे और पूरे यात्रा मार्ग में यातायात व्यवस्था सँभालने के लिए दोनों और 50 कार्यकर्ता तैनात रहेंगे। वैसे भी सुबह के समय यातायात का दबाव कम रहता है इसलिए सुबह निकाली।

असम के काजीरंगा से कान्हा टाइगर रिजर्व में 4 जंगली भैंसों का हुआ सफल पुनर्स्थापन

100 वर्ष बाद मप्र में जंगली भैंसों की वापसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित जैव विविधता संरक्षण के अगले अध्याय के रूप में आज जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कान्हा टाइगर रिजर्व में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम से लाए गए जंगली भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए उन्हें बालाघाट जिले के सूपखार क्षेत्र में सॉफ्ट रिलीज किया। मुख्यमंत्री डॉ. ने प्रदेश की धरती पर नए मेहमान के शुभ आगमन के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी। यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। लगभग 100 वर्ष के बाद प्रदेश की धरती पर जंगली भैंस का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कार्य हो रहा है। यह मध्य प्रदेश के वन्य जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंस के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इकोसिस्टम को मदद मिलेगी।इससे जंगल, वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म के माध्यम से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जंगली भैंसों की ट्रांसलोकेशन से असम के साथ मध्यप्रदेश का एक नया रिश्ता कायम हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि असम यात्रा के दौरान उनकी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत बिश्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

मंगलवार को बालाघाट जिले के जंगल में छोड़े गए जंगली भैंसों में तीन मादा और एक नर शामिल है। सभी जंगली भैंसा युवा अवस्था में हैं और स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश आज टाइगर और चीता स्टेट है, मध्य प्रदेश में मगरमच्छ, घड़ियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है। मध्य प्रदेश की धरा हर तरह के वन्य प्राणियों से समृद्ध है। कई सौ साल पहले विलुप्त हुए पर प्राणियों के

पुनर्स्थापना से प्रदेश के समृद्ध वनों में वन्य प्राणियों के संरक्षण का सपना साकार हो रहा है, मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। हमारा यह प्रयास भावी पीढ़ियों को लाभ देगा। राज्य सरकार प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने के साथ ही पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सम्पूर्ण निष्ठा के साथ निर्णय ले रही है।

जंगली भैंसों का असम से मध्यप्रदेश का सफर

- अंतर-राज्यीय सहयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच, कांजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को लिया गया।
- 25 अप्रैल 26 को 4 जंगली भैंसों ने कांजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलोमीटर की यात्रा की।
- इनका स्थानांतरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभी पशु चिकित्सकों की देख-रेख में किया गया है।
- स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंसे की प्रजाति उनके ऐतिहासिक क्षेत्र (कान्हा) में जैव विविधता को बढ़ावा देगी और कान्हा टाइगर रिज़र्व में घास के मैदानों वाले पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।
- मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी लगभग 100 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी। वर्तमान में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम में सीमित है, जबकि छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या अत्यंत कम है।
- भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं।

कांग्रेस का आरोप अधिकारियों की अदला-बदली मात्र औपचारिकता

भदौरिया को गोविंदपुरा से अतिक्रमण हटाने का जिम्मा

सफाई और अतिक्रमण नियंत्रण की व्यवस्था में कसावट लाने नगर निगम में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

भोपाल । भोपाल नगर निगम में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए कमिश्नर संस्कृति जैन ने अतिक्रमण और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारियों में व्यापक बदलाव किए हैं। इस आदेश के तहत 8 स्वास्थ्य अधिकारियों और 7 अतिक्रमण अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं, जिससे शहर में सफाई और अतिक्रमण नियंत्रण की व्यवस्था को नए सिरे से व्यवस्थित करने की कोशिश की जा रही है।

अतिक्रमण अधिकारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया को नरेला क्षेत्र से हटाकर गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पास दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार भी बना रहेगा। वहीं, सृष्टि भदौरिया को मध्य विधानसभा से हटाकर हुजूर क्षेत्र में पदस्थ किया गया है। नगर निगम प्रशासन ने अन्य स्तर पर भी बदलाव किए हैं। शुभम गौर को मध्य विधानसभा में सहायक अतिक्रमण अधिकारी बनाया गया है। महेश गौर से जोन-1 और 20 का प्रभार वापस लेकर उन्हें केवल उत्तर विधानसभा क्षेत्र तक सीमित किया गया है। बलवीर मलिक को नरेला क्षेत्र और नासिर खान को सांयकालीन अतिक्रमण निरोधक अमले का प्रभारी बनाया गया है, जो कोर्ट में चालानी कार्रवाई भी देखेंगे।

स्वास्थ्य विभाग में भी फेरबदल करते हुए प्रितेश गर्ग (जोन-1), अरविंद चौधरी (जोन-8), जितेंद्र शर्मा (जोन-9), वासुदेव उदेनिया (जोन-10), अमन पाल (जोन-11), रमाकांत यादव (जोन-18), मधुसूदन तिवारी (जोन-19) और विशाल माहेश्वरी (जोन-21) को सहायक स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

इस प्रशासनिक बदलाव पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कोलार क्षेत्र के कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने आरोप लगाया कि यह फेरबदल केवल दिखावे के लिए किया गया है। उनका कहना है कि जोन-18 और 19 में अधिकारियों की अदला-बदली मात्र औपचारिक है, जबकि कोलार क्षेत्र में गंदगी की समस्या जस की तस बनी हुई है और स्थानीय लोग परेशान हैं।

एक जून से 5वीं-8वीं की पुन: परीक्षा गर्मी में बच्चों की सुरक्षा पर खास इंतजाम

भोपाल। राज्य शिक्षा केन्द्र ने सत्र 2025-26 में कक्षा 5वीं और 8वीं के अनुत्तीर्ण एवं अनुपस्थित विद्यार्थियों के लिए पुन: परीक्षा 1 से 6 जून 2026 के बीच आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस बार भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा व्यवस्था में बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई है।ङ स्वास्थ्य और सुरक्षा के विशेष इंतजाम

सभी परीक्षा केन्द्रों पर ठंडा पेयजल, ओआरएस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। विद्यार्थियों को समय-समय पर पानी पिलाने और लू से बचाने के निर्देश दिए गए हैं। जरूरत पड़ने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाने की भी व्यवस्था रहेगी। प्रवेश पत्र और पात्रता की प्रक्रिया

पुन: परीक्षा में वही विद्यार्थी शामिल होंगे, जो मुख्य परीक्षा में असफल रहे या अनुपस्थित थे। प्रवेश पत्र पोर्टल से डाउनलोड किए जाएंगे और 25 मई तक सभी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है।ए अतिरिक्त पढ़ाई और तैयारी पर जोर स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा से पहले कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं संचालित करें। जिन छात्रों के प्रोजेक्ट अधूरे हैं या अंक कम हैं, उनका कार्य पूरा कराकर मूल्यांकन भी किया जाएगा।परीक्षा केन्द्र जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर बनाए जाएंगे और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त केन्द्र खोले जा सकेंगे। इस बार प्रश्नपत्रों की छपाई भी परीक्षा केन्द्र पर ही की जाएगी, जिसके लिए जरूरी तकनीकी संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।पुन: परीक्षा में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों को दी गई है, ताकि कोई भी पात्र छात्र इस अवसर से वंचित न रह जाए।

एक मई से शुरू होगी कॉलेज एडमिशन प्रक्रिया

लाड़ली लक्ष्मी योजना में छात्राओं को 25 हजार की प्रोत्साहन राशि

छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने सरकार की सकारात्मक पहल

भोपाल। मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग शेड्यूल जारी कर दिया है। यूजी कोर्स के लिए 1 मई से और पीजी कोर्स के लिए 2 मई से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू होगा, जो 30 जून तक चलेगा। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएगी और दस्तावेज सत्यापन अनिवार्य रहेगा।

रजिस्ट्रेशन के बाद छात्रों को चॉइस फिलिंग करनी होगी, जिसके आधार पर मेरिट सूची तैयार कर सीट आवंटन किया जाएगा। निर्धारित समय में फीस जमा नहीं करने पर सीट स्वतः निरस्त हो जाएगी। इस वर्ष दो मुख्य काउंसलिंग राउंड के साथ कॉलेज लेवल काउंसलिंग (CLC) का अतिरिक्त राउंड भी रखा गया है, जिससे खाली सीटों को भरा जा सके।

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद' के तहत इस बार बीएड, बीपीएड और एमपीएड के साथ चार वर्षीय आईटीईपी (ITEP) कोर्स भी शुरू किया गया है, जिसे छात्र 12वीं के बाद सीधे कर सकेंगे। इसे शिक्षक बनने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए नया विकल्प माना जा रहा है।

लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत पात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह राशि दो समान किस्तों में प्रथम और अंतिम वर्ष में प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ पाने के लिए बालिका का जन्म 1 जनवरी 2006 या उसके बाद होना आवश्यक है। साथ ही वह प्रदेश की मूल निवासी हो, परिवार में आयकरदाता न हो और माता-पिता की अधिकतम दो संतान हों।

इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना, लिंगानुपात में सुधार करना और उनके भविष्य को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

सांसद माया नारोलिया की सौगातः शांति नगर में टैंकरों को हरी झंडी, पेयजल आपूर्ति होगी सुदृढ़

नर्मदापुरम में सुचारू पेयजल प्रदाय हेतु राज्यसभा सांसद निधि से दो जल टैंकरों का वितरण किया

नर्मदापुरम। नगर पालिका क्षेत्र में सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वार्ड क्रमांक 18, शांति नगर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने अपनी सांसद क्षेत्रीय विकास निधि से प्रदत्त दो आधुनिक पानी के टैंकर नगर पालिका को समर्पित किए। लगभग 4 लाख रुपये की लागत से तैयार इन टैंकरों का मुख्य उद्देश्य नगर के उन क्षेत्रों में राहत पहुँचाना है जहाँ पाइपलाइन विस्तार के अभाव में जल की समस्या बनी रहती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों ने विधि-विधान से पूजन कर टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और जनसामान्य को राहत पहुँचाना ही वर्तमान नेतृत्व की प्राथमिकता हैं।

इस अवसर पर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, सोहागपुर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह, पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा तथा नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पार्षद एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा सहित क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों ने भी सहभागिता की। आयोजन के दौरान मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, सागर शिवहरे, गोकुल पटेल, वरिष्ठ नेता राजेश तिवारी, उमेश पटेल, शैलेन्द्र दीक्षित सहित जिला उपाध्यक्ष राजेश गौर, राहुल सोलंकी, लक्ष्मण बेस, विकास नारोलिया, रोहित गौर एवं पार्षद दुर्गेश चौधरी एल्डरमैन संतोष मीना हीरामणि भावसार, ज्योति रैकवार व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में , आनंद दुबे, सचिन तोमर, योगेंद्र सोलांकी, सुंदरम अग्रवाल, अतुल भंडारी, पंकज पांडे, लोकेश, और धर्मेंद्र जाट सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं कार्यकर्ता सम्मिलित हुए, जिन्होंने इस जनहितैषी पहल का स्वागत किया।

किसान गोष्ठी में मिला संतुलित पोषण और जैविक खेती का मंत्र

रायसेन। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), नकतरा में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली एवं केवीके, रायसेन के संयुक्त तत्वावधान में 'संतुलित पोषण प्रबंधन में किण्वित जैविक खाद के महत्व' विषय पर किसान गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से संचालित इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य खेती की उत्पादकता बढ़ाना और पर्यावरणीय पदचिह्नों को कम करना है।

कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण कुमार उपाध्याय ने जलवायु परिवर्तन के दौर में कम पानी और कम लागत वाली धान की सीधी बुवाई (छस्क्र) तकनीक अपनाने पर जोर दिया। डॉ. विशाल त्यागी ने जैविक खेती में केंचुआ खाद, हरी खाद और जैव कीटनाशकों की उपयोगिता समझाई। वहीं, डॉ. अर्जुन सिंह और मृदा वैज्ञानिक रंजीत सिंह राघव ने मिट्टी परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रबंधन और डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके के विवेकपूर्ण उपयोग की सलाह दी।

वैज्ञानिक डॉ. स्वप्निल दुबे ने धान, सोयाबीन और अरहर की उन्नत किस्मों की जानकारी दी, जबकि डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी ने बीजोपचार और फसल सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपाय बताए। कार्यक्रम में आसपास के 150 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रकरणों में समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें: कलेक्टर

नर्मदापुरम। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सभी संबंधित अधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं सदस्य सचिव द्वारा एजेंडा के अनुसार बिंदुवार जानकारी प्रस्तुत की गई। समिति द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार राहत अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों की अन्वेषण स्थिति, न्यायालयों में लंबित मामलों के अभियोजन, पीड़ितों को दी जाने वाली राहत राशि, यात्रा भत्ता एवं अन्य सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि अधिनियम के अंतर्गत सभी प्रकरणों में शासन के नियमानुसार समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति प्रमाण पत्र के अभाव में कोई भी प्रकरण लंबित न रहे, इसके लिए विकासखंड स्तरीय समितियों एवं संबंधित थानों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि विकासखंड स्तरीय समिति की बैठकें प्रत्येक त्रैमास में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएं। साथ ही न्यायालय स्तर पर लंबित एवं निराकृत (बरी) प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, समिति सदस्य मुकेश चंद्र मेना सहित सत्येन्द्र पटेल विशेष लोक अभियोजक नर्मदापुरम, राजकुमार नेमा जिला अभियोजन अधिकारी नर्मदापुरम अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रायसेन के पोहरा में माफियाराज

खनिज विभाग की मिलीभगत से अवैध उत्खनन का तांडव

रायसेन। रायसेन के समीपस्थ पोहरा गांव में इस समय खनिज माफियाओं का खुला राज चल रहा है। सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए यहाँ बड़े पैमाने पर पत्थरों का अवैध उत्खनन और उनका बेखौफ भंडारण किया जा रहा है। यह स्थिति क्षेत्र में फैले माफियातंत्र की कड़वी सच्चाई को उजागर करती है, जहाँ नियमों को ताक पर रखकर प्राकृतिक संपदा को लूटा जा रहा है।

विभागीय संरक्षण में फल-फूल रहा काला कारोबार- क्षेत्र में व्याप्त चर्चाओं और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह गोरखधंधा कोई संयोग नहीं बल्कि एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। बिना खनिज विभाग की सीधी मिलीभगत और कथित 'सेटिंग' के इतनी बड़ी मात्रा में पत्थरों का उत्खनन और उनका बिना किसी रोक-टोक के परिवहन संभव ही नहीं है। विभाग के जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं, जिससे इस पूरे मामले में विभागीय संरक्षण की बू आ रही है। यह मिलीभगत का खेल शासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

राजस्व की हानि और ग्रामीणों की बदहाली- इस अवैध कारोबार का सीधा खामियाजा आम जनता और पर्यावरण को भुगतना पड़ रहा है। माफियाओं द्वारा चलाए जा रहे भारी वाहनों के बेतहाशा आवागमन से ग्रामीण सड़कें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जबकि उड़ती धूल ने आसपास के ग्रामीणों का जीना दूभर कर दिया है। ये माफिया न केवल प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुंध लूट कर रहे हैं, बल्कि सरकारी राजस्व को भी करोड़ों का चूना लगाकर अपनी तिजोरियां भर रहे हैं।

प्रशासन की संदिग्ध भूमिका पर सवाल- सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिला प्रशासन की नाक के नीचे चल रहे इस अवैध खेल से जिम्मेदार अधिकारी अनजान कैसे हैं? ग्रामीणों ने अब राज्य स्तरीय उच्च अधिकारियों से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब अपनी आंखें खोलता है या फिर यह अवैध खेल इसी तरह बदस्तूर जारी रहेगा।

गेहूं उपार्जन की बदहाली से अन्नदाता त्रस्त, सरकारी दावों की खुली पोल

रायसेन। जिले में गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया शुरू होते ही पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। सरकार के 'सुचारू उपार्जन' के तमाम दावों के बीच, अन्नदाता किसान अपनी ही फसल को बेचने के लिए भारी मुसीबत में फंसा हुआ है। खरीदी केंद्रों पर व्याप्त अव्यवस्था ने किसानों का जीना मुहाल कर दिया है।

सबसे बड़ी समस्या 'स्लॉट बुकिंग' को लेकर है। प्रशासन ने भले ही यह दावा किया हो कि व्यवस्था को ऑनलाइन और सरल बना दिया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। किसान स्लॉट बुक करने के लिए एक-एक, दो-दो दिन तक कंप्यूटर और मोबाइल के सामने संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन पोर्टल की खामियों के कारण उन्हें बुकिंग स्लॉट नहीं मिल पा रहे हैं। घंटों की मशक्कत के बाद भी जब बुकिंग फेल हो जाती है, तो किसान का सब्र जवाब दे जाता है। एक किसान ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि फसल कटकर तैयार है, लेकिन इसे मंडी ले जाने के लिए स्लॉट ही नहीं मिल पा रहा है। यदि हम बिना स्लॉट के मंडी पहुंच जाएं, तो वहां फसल नहीं ली जाती। ऐसी स्थिति में किसान न तो घर का रहा, न ही मंडी का।

इतना ही नहीं, खरीदी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं का भी घोर अभाव है। चिलचिलाती धूप में घंटों कतारों में खड़े रहने वाले किसानों के लिए न तो पेयजल की व्यवस्था है और न ही बैठने के लिए शेड की सुविधा। प्रशासन की उदासीनता और अव्यवस्थित पोर्टल के कारण किसान दोहरी मार झेलने को मजबूर हैं।

2 लाख 65 हजार लेने के बाद ठेकेदार मांग रहा और 45 हजार

किसानों ने अपने व्यय पर लगवाया है ट्रांसफार्मर

किसानों से पैसा लेकर ठेकेदार ने नहीं सौंपा ट्रांसफर्मर

आमला। धरती का सीना चीरकर सुनहरी फसल उगाने वाले किसान के साथ आमला ब्लॉक में शोषण का खेल थम नहीं रहा है। कभी बोरिंग मशीन संचालक लूटते हैं, तो कभी शुगर मिलें पसीने की कमाई रोक लेती हैं। अब हद तो बिजली ठेकेदारों ने कर दी है। ग्राम बारंगवाड़ी के 35 आदिवासी किसानों ने पेट काटकर, कर्ज लेकर जो पूंजी जोड़ी थी, उसे बिजली ठेकेदार ने अपनी लालच की भेंट चढ़ा दिया है। आलम यह है कि पूरा पैसा लेने के बाद भी ट्रांसफार्मर अब तक विभाग को हैंडओवर नहीं किया गया है।

साजिश: आदिवासियों की गाढ़ी कमाई पर ठेकेदार की टेढ़ी नजर

ग्राम बारंगवाड़ी के गरीब आदिवासी किसानों ने अपने खेतों को सींचने के लिए 'ओवायटी' योजना के तहत 100 केवी का ट्रांसफार्मर लगवाया था। इसके लिए किसानों ने ठेकेदार को नियमानुसार 2 लाख 65 हजार रुपये का भुगतान किया। किसानों को लगा था कि अब परेशानी खत्म हो ही उनके परिवार के दिन फिरेंगे। लेकिन ठेकेदार ने 4 महीने बीत जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर को विद्युत कंपनी को हैंडओवर नहीं किया। अब वह किसानों से 45 हजार रुपये की और मांग कर रहा है।

धमकी: 'पैसे नहीं दिए तो फंसा दूंगा '- हैरानी की बात यह है कि जब किसान अपने हक की बात करते हैं, तो ठेकेदार उन्हें झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देता है। किसानों का आरोप है कि यह ठेकेदार पहले भी अन्य गांवों में इसी तरह का फ्रॉड कर चुका है। प्रशासन की चुप्पी ने ठेकेदार के हौसले इतने बुलंद कर दिए हैं कि वह खुलेआम आदिवासियों को डरा-धमका रहा है। क्षेत्र का किसान आज खुद को बेबस और लाचार महसूस कर रहा है।

पीड़ा: 'साहब! कर्ज लेकर पैसे भरे थे, अब और कहां से लाएं? '

पीड़ित किसान भदिया कवाड़े, पप्पू इवने, दुर्गेश इवने, राधेश्याम इवने और लक्ष्मण आहाके ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि, 'हमने बड़ी मुश्किल से 2 लाख 65 हजार रुपये जुटाए थे। ठेकेदार से जो बात हुई थी, हम वह पूरी कर चुके हैं। अब हम गरीब लोग 45 हजार रुपये और कहां से लाएं? हमारे पास अब कुछ नहीं बचा है।' किसानों ने सामूहिक रूप से प्रशासन से मांग की है कि इस भ्रष्ट ठेकेदार पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

इनका कहना है

'यह मामला ठेकेदार और ग्रामीण किसानों के बीच के आपसी लेनदेन का है। हमारे पास जब प्रक्रिया पूरी होकर आएगी, तभी विभाग आगे की कार्रवाई करेगा।

— संतोष चंदेल, सहायक प्रबंधक, सब स्टेशन बोरदेही।

नर्मदा ट्रॉफी के तीसरे मुकाबले में जीसीए ने 8 विकेटों से जीत दर्ज की

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट संघ के तत्वाधान मे आयोजित इंटर क्लब टूर्नामेंट में तीसरा मुकाबला जीसीए नर्मदापुरम और प्रोस्टार्ट इटारसी के मध्य एमपीसीए ग्राउंड पर रविवार से शुरू हुआ। दो दिवसीय मुकाबले में जीसीए अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट संघ के मानसेवी सचिव प्रदीप तोमर ने बताया कि प्रोस्टार्ट इटारसी पहली पारी 65वें ओवर में 251 रन बनाकर ऑल आउट हो गई जिसमें सोनू के शानदार 155 रनों की पारी शामिल है सोनू के अतिरिक्त अन्य कोई भी बल्लेबाज 20 के आंकड़े को पार नहीं कर सका। जीसीए अकादमी के गेंदबाजी में गौतम बौरासी 4 विकेट, प्रज्वल मीणा 2 विकेट और आयुष संतोरे एवं आरुष उपाध्याय को 1-1 विकेट हासिल हुआ।जीसीए अकादमी ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए आज के शेष 24 ओवर में 2 विकेट खोकर 129 रन बना लिए है खेल खत्म होने तक जीसीए अकादमी के शिखर गंगराड़े 46 रन नाबाद और आदर्श शर्मा 33 रन नाबाद क्रीज पर मौजूद हैं प्रोस्टार्ट को मिले दोनों विकेट अभिषेक को प्राप्त हुए।पहले दिन के खेल को आगे बढ़ाते हुए जीसीए ने मैच 44वे ओवर में 8 विकेट शेष रहते जीत लिया।शिखर गंगराड़े 137 रन नाबाद और आदर्श दुबे 63 रन बनाकर नाबाद रहे। मैच के दौरान एमपीसीए मैनेजिंग कमेटी मेंबर श्री अनुराग मिश्रा सर,अंपायर विशाल शर्मा एवं हरीश हनोतिया और स्कोरर आर्यन चौरे सहित ग्राउंड स्टाफ मौजूद रहा है।

मलासुर अभियान के तहत तीन वर्ष में सेप्टिक टैंक खाली कराना अनिवार्य

स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत गतिविधियां जारी

नर्मदापुरम। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 एवं सुपर 75 शहर के अंतर्गत नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम द्वारा मालासूर अभियान का संचालन किया जा रहा है जिसमें अपने घर प्रतिष्ठान के सेप्टिक टैंक को 3 साल के अंदर में सफाई किया जाना अनिवार्य ह। मालासूर अभियान अंतर्गत जिस भी टैंक की सफाई की जाएगी उसमें कुल राशि का 10% की छूट दी जाएगी।

नपा के सतीष यादव ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले और कार्य प्रभारी अधिकारी दीक्षा तिवारी के निर्देशन में नगर में स्वच्छ सर्वेक्षण को गतिविधियां प्रारंभ हैं। नपा के सतीष यादव ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर के समस्त नागरिकों, दुकानदारों और शासकीय/ अर्द्धशासकीय कार्यालयों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें मानक निर्माण शासन के आदेशानुसार, सभी घरों, दुकानों और संस्थानों में निर्मित सेप्टिक टैंक का निर्माण आईएस 2470 (पार्ट 01-02) के मानकों के अनुसार होना अनिवार्य है। शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए खुले में शौच करना पूर्णतः प्रतिबंधित है।

जुमार्ना विवरण

नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है, तो उन पर अर्थदंड लगाया जाएगा। एसआई मानक के अनुसार टैंक न बनाने पर 3,300 रु 2 से 3 वर्ष में टैंक खाली न करवाने पर 1,500 रुपए जुमार्ना होगा। खुले में शौच करते पाए जाने पर पहली बार 50 दूसरी बार 100 रुपए जुमार्ना होगा। शौचालय का गंदा पानी/ मल खुले में छोड़ने पर - 5000 का जुमार्ना लगेगा। सेप्टिक टैंक खाली कराने का शुल्क (उपयोग शुल्क) नगर पालिका ने टैंक खाली करने के लिए दरें भी निर्धारित की हैं जिसमें नगर पालिका द्वारा घरेलू ट्रैक्टर 1,000 प्रति ट्रिप, नगर पालिका ट्रैक्टर कार्मशियल 2,000 प्रति ट्रिप, नगरीय सीमा के बाहर 2,500 प्रति ट्रिप, प्राइवेट ऑपरेटर शुल्क 500 (सीमा के भीतर), और 1,000 (सीमा के बाहर) लगेगा।

100 वार्डों से एकजुट आवाज, गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग

आमला। गौमाता के सम्मान और संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत 100 वार्डों में एक साथ सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में गौभक्त, गौशालाओं के प्रतिनिधि और गौ संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के सदस्य एकत्रित हुए और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपे।

अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां गौभक्तों ने सामूहिक प्रार्थना और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद रैली और सभाओं के माध्यम से गौमाता के सम्मान में जोरदार नारे लगाए गए और अपनी भावनाएं व्यक्त की गई।

स्कूल शिक्षा विभाग में 5 करोड़ का बड़ा घोटाला

मेंटेनेंस और खरीदी में बड़ा फर्जीवाड़ा

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्कूल शिक्षा विभाग एक बड़े वित्तीय घोटाले की चपेट में है। मेंटेनेंस और सामग्री खरीदी के नाम पर लगभग 5 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी राशि के दुरुपयोग का मामला उजागर हुआ है। इस घोटाले ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या है पूरा मामला?- जांच में सामने आया है कि इस घोटाले को अंजाम देने के लिए एक सुनियोजित तरीका अपनाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) कार्यालय को पूरी तरह दरकिनार करते हुए, विभाग का बजट सीधे ब्लॉक स्तर पर आवंटित कर दिया गया। इसका लाभ उठाते हुए, संबंधित अधिकारियों ने बिना किसी भौतिक सत्यापन (Physical Verification) के कार्य पूर्ण दिखाकर भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर ली, जिससे सरकारी खजाने को भारी चपत लगी।

सिलवानी का चौंकाने वाला सच- घोटाले की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सिलवानी क्षेत्र के ऐसे स्कूलों में महंगी कॉन्फ्रेंस टेबल और रिवॉल्विंग चेयर भेजी गईं, जहाँ बच्चों के बैठने के लिए मूलभूत डेस्क-बेंच तक उपलब्ध नहीं थे। कई स्कूलों के प्राचार्यों ने आरोप लगाया है कि उन पर फर्जी कार्य आदेशों और बिलों पर जबरन हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया गया था। यह वित्तीय अनियमितता बाड़ी, बेगमगंज, औबेदुल्लागंज, उदयपुरा और सिलवानी के सरकारी हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में व्यापक स्तर पर देखी गई है।

जांच और प्रशासनिक कार्रवाई- मामले की गंभीरता को देखते हुए डीपीआई (DPI) के वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। बेगमगंज सहित प्रभावित क्षेत्रों से आवश्यक दस्तावेज जब्त कर लिए गए हैं और लापरवाही बरतने वाले एक लिपिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

भविष्य की रणनीति- विभाग ने अब इस मामले में सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। वर्ष 2023 से 2026 के बीच हुई सभी खरीदी का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूलों में सामग्री की वास्तविक गिनती कर रिकॉर्ड से मिलान किया जाएगा और स्वीकृत आदेशों की जांच के बाद डेटा पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा ताकि दोषियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जा सके।

फटाफट खबरें

ट्रंप, ईरानी परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ

वॉशिंगटन, (ईएमएस)। ईरान ने एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति प्रस्ताव भेजा है। इसे देखकर ट्रंप भड़क गए और गुस्से में उन्होंने ईरान को साफ संदेश दिया कि परमाणु कार्यक्रम किसी भी सूरत में नहीं चलने देंगे। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, ईरान का यह प्रस्ताव अमेरिका की प्राथमिकताओं के अनुरूप नहीं है। इस संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है, महंगाई चरम पर है और अब तक हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान द्वारा दिए गए ताजा शांति प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं, जिससे पिछले दो महीनों से चले आ रहे भीषण युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों को गहरा झटका लगा है।

जयपुर में तेज आंधी से हवाई यातायात प्रभावित

जयपुर, (ईएमएस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बीती रात मौसम के अचानक बदले मिजाज ने हवाई यातायात को पूरी तरह पटरी से उतार दिया। शहर में आई भीषण आंधी और धूल के गुबार के कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) इस कदर गिर गई कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग कराना असंभव हो गया। इस प्राकृतिक व्यवधान के कारण तीन प्रमुख उड़ानों को दूसरे शहरों की ओर मोड़ना पड़ा, जबकि कई अन्य विमान ईंधन और सुरक्षा की चिंता के बीच घंटों आसमान में चक्कर काटते रहे। रात के समय आई तेज आंधी के कारण पायलटों को रनवे देखने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने लैंडिंग की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

सड़क हादसे में चार युवकों की मौत

लखीमपुर, (ईएमएस)। लखीमपुर-मैगलगंज मार्ग पर सोमवार देर रात भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद चीख-पुकार मच गई और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। हादसा लखनापुर चौराहे के पास हुआ, जहां एक ब्रेजा कार और दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर में कार चालक भानू प्रताप (30) गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइकों पर सवार हितेश शुक्ला (42) और हरिकिशन (40) ग्राम सुनौरा थाना नीमगांव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे में घायल अनुज कुमार और आदर्श, निवासी ग्राम बसारा थाना नीमगांव को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मां होगी समझौता राशि की हकदार : हाईकोर्ट

प्रयागराज, (ईएमएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पारिवारिक कानूनों और उत्तराधिकार के अधिकारों पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यवस्था दी है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि पति-पत्नी के बीच आपसी सहमति से तलाक की डिक्री पारित हो जाती है, लेकिन तय समझौता राशि का भुगतान होने से पहले ही पत्नी की मृत्यु हो जाती है, तो उसकी मां उस धन को प्राप्त करने की कानूनी उत्तराधिकारी होगी। न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की एकल पीठ ने मृतका की मां किरन रायकवार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। यह मामला बांदा के फैमिली कोर्ट से जुड़ा है, जहां एक दंपति ने आपसी सहमति से तलाक लिया था। समझौते की शर्तों के अनुसार, पति को अपनी पत्नी को कुल 20 लाख रुपये का भुगतान करना था।

खेल तुमने शुरू किया, खत्म हम करेंगे : जहांगीर

कोलकाता, (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण के मतदान से पहले टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर और आईपीएस अजय पाल शर्मा के बीच तकरार थमने का नाम नहीं ले रही है। अब टीएमसी उम्मीदवार ने पुलिस पर्यवेक्षक को खुली धमकी देते हुए जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि खेल तुमने शुरू किया, खत्म हम करेंगे। पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त। टीएमसी उम्मीदवार चुनाव प्रचार के आखिरी दिन एक जनसभा को संबोधित कर हुए यूपी पुलिस अधिकारी अजय पाल शर्मा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये लोग बहुत खेल दिखा रहे हैं। खेल तुम लोगों ने शुरू किया है, खत्म हम करेंगे।

गंगटोक दौरे के दौरान राजनीति की जगह खेल के मैदान में उतरे प्रधानमंत्री

सिक्किम में खेला फुटबॉल, किया गोल

बंगाल की फुटबॉल लोकप्रियता से जोड़कर देखी जा रही यह रणनीति

गंगटोक, (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए प्रचार थम जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिक्किम के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। मंगलवार सुबह गंगटोक में उनका एक अलग ही अंदाज देखने को मिला, जब वे युवा खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल मैदान में उतरे और उनके साथ खेलते नजर आए। प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ फुटबॉल खेला, बल्कि गोल करने के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ सेलिब्रेशन भी किया। इस दौरान की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं।

तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा कि 'सिक्किम में अपने युवा मित्रों के साथ गंगटोक की सुहानी सुबह में फुटबॉल खेलने जैसा कुछ नहीं।' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने सिक्किम दौरे के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। दौरे के पहले दिन उन्होंने गंगटोक में एक भव्य रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके अलावा, वे सिक्किम के भारत में विलय के 51 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। इस दौरान लगभग चार हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया जाएगा।

फुटबॉल खेल में छुपा है राजनीतिक संदेश

प्रधानमंत्री मोदी की यह पहल केवल एक खेल गतिविधि भर नहीं मानी जा रही है, बल्कि इसे एक व्यापक राजनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। दरअसल, सिक्किम के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी फुटबॉल अत्यंत लोकप्रिय खेल है। विशेषकर कोलकाता जैसे शहर को भारत में क्लब फुटबॉल का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां जमीनी स्तर तक फुटबॉल क्लब सक्रिय हैं। विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री का फुटबॉल मैदान में उतरना और युवाओं के साथ खेलना, बंगाल के मतदाताओं को साधने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। फुटबॉल विश्व कप जैसे बड़े आयोजनों के दौरान पश्चिम बंगाल में लोगों का उत्साह देखते ही बनता है, और कई बार सड़कों पर यातायात तक प्रभावित हो जाता है। ऐसे में इस खेल के माध्यम से जुड़ाव बनाना एक प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है।

'मोदी की गारंटी' पर आतिशी ने उठाया सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है। आप नेता और पूर्व सीएम आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर महिलाओं से किए गए वादों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने 'मोदी की गारंटी' पर सवाल उठाकर पूछा कि दिल्ली की महिलाओं को वादा किए गए अब तक क्यों नहीं मिले। आप नेता आतिशी ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा की थी कि 8 मार्च 2025, यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर, दिल्ली की हर महिला के खाते में 2500 रुपये भेज दिए जाएंगे। अपने इस वादे को भाजपा ने बड़े स्तर पर प्रचारित भी किया था। लेकिन आतिशी के अनुसार, अब 8 मार्च 2026 भी बीत चुका है और महिलाओं को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली। उन्होंने मोदी की गांरटी को 'झूठा वादा' बताकर कहा कि यह दिल्ली की महिलाओं के साथ सीधा धोखा है। आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अन्य राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में जाकर महिलाओं के लिए नई योजनाओं और आर्थिक सहायता के वादे कर रही हैं, जबकि दिल्ली की महिलाओं को अभी तक कोई लाभ नहीं मिला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में ही वादे पूरे नहीं हो रहे।

भविष्यवाणी मंच में बीजेपी को बढ़त....

फलौदी सट्टा बाजार में ममता दीदी की वापसी

कोलकाता, (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माया हुआ है। पहले चरण का मतदान पूरा हो चुका है और दूसरे चरण के मतदान की तैयारियां जोरों पर हैं। इसके बाद सबसे बड़ा सवाल यहीं है कि राज्य की सत्ता इस बार किसके हाथ में जाएगी। क्या सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस अपनी पकड़ बनाए रख पाएगी या बीजेपी इतिहास रचते हुए सत्ता परिवर्तन करेगी। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बीच महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारतीय निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार सभी चरणों के मतदान समाप्त होने से पहले किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल या सर्वे जारी करना प्रतिबंधित है। चुनाव आयोग ने 9 से 29 अप्रैल शाम 6:30 बजे तक इस पर सख्त रोक लगाई है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126ए के तहत यह प्रतिबंध कानूनी रूप से लागू है और उल्लंघन करने पर सजा का प्रावधान भी है। मुख्यधारा की मीडिया संस्थाएं इस नियम का पालन कर रही हैं, लेकिन सोशल मीडिया और सट्टा बाजार में तरह-तरह के अनुमान सामने आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर कई अनौपचारिक पोल और सर्वे तेजी से वायरल हुए हैं इसमें एक दिलचस्प रुझान देखने को मिल रहा है, जहां बड़ी संख्या में लोग भाजपा के पक्ष में परिणाम जाते हुए दिखा रहे हैं। हालांकि इन सर्वे की विश्वसनीयता संदिग्ध मानी जाती है, फिर भी इन्हें जनभावना के संकेतक के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच राजस्थान के चर्चित फलौदी सट्टा बाजार ने भी अपने अनुमान जारी कर दिया हैं। इसके अनुसार मुकाबला काफी कड़ा रहने वाला है। जहां तृणमूल कांग्रेस को करीब 158 से 161 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा को 127 से 130 सीटों के बीच समर्थन मिलने की संभावना है। कांग्रेस और वाम दलों को इस दौड़ में काफी पीछे माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस चुनाव में दिलचस्पी दिखाई दे रही है।

भारत दुनिया का पांचवीं सबसे बड़ी सैन्य शक्ति बना

रक्षा बजट में भारी वृद्धि

नई दिल्ली, (ईएमएस)। साल 2025 में वैश्विक रक्षा समीकरणों में भारत ने अपनी स्थिति और मजबूत की है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया भर में अपनी सेनाओं पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले देशों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष दुनिया के कुल सैन्य खर्च में भारत की हिस्सेदारी 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई है। बता दें कि भविष्य की चुनौतियों और 'ऑपरेशन सिंदूर' के अनुभवों को देखते हुए, भारत सरकार ने 2026-27 के केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

पिछले वर्ष की तुलना में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई

इसमें 2.19 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय शामिल है, जिसका उपयोग नए लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, मिसाइलें और ड्रोन सिस्टम खरीदने के लिए किया जाएगा। अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी इस सूची में क्रमशः पहले चार स्थानों पर काबिज हैं। 2025 में भारत का कुल सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' था। इस अभियान के दौरान सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रखने हेतु आपातकालीन आधार पर हथियारों और साजो-सामान की बड़े पैमाने पर खरीद की गई थी।

शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर धमाके की नाकाम कोशिश

पटियाला, (ईएमएस)। पटियाला में शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखे जाने के बाद धमाका करने की नापाक कोशिश की गई। पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर इलाके का मुआयना किया। पटियाला के एसएसपी ने बताया कि सोमवार रात पटियाला पुलिस को शंभू-हरियाणा सीमा के पास रेलवे ट्रैक धमाका होने की आशंका सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच से पता चला कि वास्तव में एक बड़ा धमाका करने की एक कोशिश थी। इस कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और उसका शव बरामद हुआ है, जिस शख्स ने धमाका करने की कोशिश की, उसने निहंग सिंह का वेश धारण किया हुआ था। उसकी पहचान जगरूप सिंह के रूप में हुई है जो तरन तारन के पंजवार खुराद गांव का रहने वाला था।

नीदरलैंड में किंग्स डे के अवसर पर नाव में सवारी कर जश्न मनाते हुए लोग। किंग्स डे को किंग विलियम अलेक्जेंडर के जन्मदिन पर मनाया जाता है। -फोटो-ईएमएस

राजनाथ का पाक को सीधा संदेश आतंकवाद अब बर्दाश्त नहीं होगा

बीजिंग, (ईएमएस)। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद के खिलाफ भारत का सख्त रुख साफ है। उन्होंने कहा कि राज्य-प्रायोजित सीमा-पार आतंकवाद किसी भी देश की संप्रभुता पर सीधा हमला है और इस आंतकवाद को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए और एससीओ को उन देशों के खिलाफ ठोस कदम उठाने चाहिए, जो आतंकवादियों को समर्थन, शरण या सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराते हैं।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख कर कहा कि भारत ने संदेश दे दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब दंड से अछूते नहीं रहने वाले है। उन्होंने वैश्विक परिदृश्य पर चिंता जताकर कहा कि दुनिया इस समय बढ़ते एकतरफावाद और संघर्षों के दौर से गुजर रही है, जिससे वैश्विक सहमति कमजोर हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस स्थिति को संभाला नहीं गया।

पाकिस्तानी सेना के हमले से कई महिलाओं, बच्चे और छात्रों की मौत

काबुल (ईएमएस)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच फिर तनाव बढ़ गया है। हाल ही में अफगानिस्तान ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने उसके कुनार प्रांत में मिसाइल और मोर्टार से हमला किया, जिसमें आम नागरिकों और एक यूनिवर्सिटी को निशाना बनाया गया। अफगान अधिकारियों के अनुसार इस हमले में कई लोगों की मौत हुई है और दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे, छात्र और प्रोफेसर शामिल हैं। अफगानिस्तान का कहना है कि यह हमला कुनार प्रांत की राजधानी असदाबाद में हुआ, जहां सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी नुकसान पहुंचा।

बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण का जश्न मनाएंगे

मोदी ने राज्य की जनता के नाम एक विशेष और भावुक खुला पत्र लिखा

नई दिल्ली, (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण का प्रचार समाप्त होते ही पीएम मोदी ने राज्य की जनता के नाम एक विशेष और भावुक खुला पत्र जारी किया। सोमवार को साझा किए गए इस पत्र में पीएम मोदी ने न केवल बंगाल के साथ अपने आध्यात्मिक जुड़ाव को साझा किया, बल्कि राज्य में बीजेपी की जीत का दावा करते हुए लोगों को 'शपथ ग्रहण समारोह' के जश्न के लिए आमंत्रित भी किया। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि लोग राज्य में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाने के लिए एकजुट होंगे। हम सब मिलकर एक विकसित बंगाल का निर्माण करेंगे। पीएम मोदी ने अपने पत्र में चुनाव प्रचार के दौरान मिले अनुभव को किसी राजनीतिक कार्यक्रम से ऊपर बताया। पीएम मोदी ने कहा कि हर चुनाव लोकतंत्र का एक पवित्र त्योहार होता है और उन्हें इसमें हिस्सा लेकर खुद को सौभाग्यशाली महसूस हुआ। अपने व्यापक चुनाव प्रचार को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें राज्य के लोगों के सामने बीजेपी का विकास का रोडमैप पेश करने का अवसर मिला।

मिलकर विकसित बंगाल का निर्माण करेंगे

पार्लियामेंट स्ट्रीट इलाके में हिट-एंड-रन का मामला, दो चचेरे भाइयों की मौत

नई दिल्ली, (ईएमएस)। नई दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट इलाके में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात दर्दनाक हिट-एंड-रन हादसा हुआ, जिसमें दो चचेरे भाइयों की मौत हुई। मृतकों की पहचान 20 वर्षीय यज्ञ और 14 वर्षीय अभव भाटिया के रूप में हुई है, जो दिल्ली के अशोक नगर के निवासी थे। दोनों आईपीएल मैच देखकर घर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना घटी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा अशोक रोड पर महादेव रोड टी-पॉइंट के पास पीएनबी कॉम्प्लेक्स के सामने हुआ। घटना की जानकारी देर रात एक पीसीआर कॉल के माध्यम से मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तब दोनों लड़के सड़क पर गंभीर हालत में पड़े मिले।

रुस से सीधे इस्लामाबाद पहुंचे अराघची, 48 घंटों में तीसरा दौरा

इस्लामाबाद, (ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर जारी है। दोनों देशों की ओर से बातचीत पर सस्पेंस बना हुआ है, लेकिन शर्तों का पुलिंदा एक-दूसरे को थमाने का सिलसिला जारी है। बातचीत पर कभी बनते तो कभी बिगड़ते नजर आ रहे समीकरणों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एक्टिव मोड में नजर आ रहे हैं। अमेरिका-ईरान बातचीत पर सस्पेंस के बीच अब्बास अराघची फिर से पाकिस्तान पहुंचे। पिछले 48 घंटों के अंदर अराघची का यह तीसरा पाकिस्तान का दौरा है। अब्बास अराघची का यह तीसरा पाकिस्तान दौरा रूस और ओमान समेत कई देशों के दौरे, उच्चस्तरीय बैठकों के बाद हो रहा है। अराघची पाकिस्तान से रूस रवाना हो गए थे। अब वह रूस दौरे के बाद सीधे इस्लामाबाद पहुंचे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब्बास अराघची का यह पाकिस्तान दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब ईरान की होर्मुज वाली शर्त को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाखुश हैं। अमेरिका ने कहा है कि उसे होर्मुज वाली शर्त मंजूर नहीं। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी ईरान से होर्मुज खोलने की अपील करते हुए कहा है कि न टोल वसूला जाना चाहिए।

अमेरिका में चोरी और धांधली से होते हैं चुनाव

अपने ही देश के संविधान-इलेक्शन पर ट्रंप ने उठाए सवाल

वॉशिंगटन, (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर देश की चुनाव प्रणाली की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हुए तीखा बयान दिया है। उन्होंने मौजूदा चुनावी व्यवस्था को 'धांधली से भरा' और 'दुनिया भर में मजाक' करार देते हुए इसमें आमूल-चूल परिवर्तन की वकालत की है। ट्रंप के इस रुख ने मिडटर्म इलेक्शन (मध्यावधि चुनाव) से ठीक पहले अमेरिका में चुनाव सुधारों को लेकर एक नई और गरमागरम बहस छेड़ दी है।

अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर रिपब्लिकन नेताओं को संबोधित करते हुए ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि चुनाव प्रणाली में तुरंत सुधार नहीं किया गया, तो देश का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। इस दिशा में ट्रंप ने 'सेव अमेरिका एक्ट' नामक एक व्यापक चुनाव सुधार कानून को लागू करने की पुरजोर मांग की है। इस प्रस्तावित कानून के तहत उन्होंने तीन मुख्य बदलावों पर जोर दिया है: पहला- प्रत्येक मतदाता के लिए पहचान पत्र (वोटर आईडी) दिखाना अनिवार्य हो, दूसरा- मतदान से पूर्व नागरिकता का ठोस प्रमाण देना जरूरी किया जाए और तीसरा- मेल-इन बैलेट यानी डाक के माध्यम से होने वाली वोटिंग के सिस्टम को लगभग पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। ट्रंप का सुझाव है कि डाक मतपत्रों की अनुमति केवल बीमारी, विकलांगता, सेना में तैनाती या अपरिहार्य यात्रा जैसी विशिष्ट परिस्थितियों में ही दी जानी चाहिए।

नेताओं ने इसे असंवैधानिक बताते हुए अदालत में चुनौती दी

ट्रंप ने इससे पहले 31 मार्च को एक कार्यकारी आदेश पर भी हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य राज्यों में केवल सत्यापित मतदाताओं को ही डाक मतपत्र भेजना और योग्य नागरिकों की सटीक सूची तैयार करना था। हालांकि, इन कदमों को कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव विशेषज्ञों और डेमोक्रेटिक नेताओं ने इसे असंवैधानिक बताते हुए अदालत में चुनौती दी है। विरोधियों का तर्क है कि यह मतदाताओं के अधिकारों का हनन है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी राष्ट्रपति के ऐसे ही एक आदेश को संघीय अदालतों ने यह कहते हुए रोक दिया था कि राष्ट्रपति को सीधे चुनावी नीतियां तय करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं है। फिलहाल, सेव अमेरिका एक्ट अमेरिकी संसद में फंसा हुआ है। डेमोक्रेटिक पार्टी के कड़े विरोध और सीनेट की जटिल फिलिबस्टर प्रक्रिया के कारण इस कानून का पास होना चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है।

रॉयल्स ने रोका पंजाब का विजयरथ

राजस्थान ने 6 विकेट से जीता मैच

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के तूफान के बाद डोनोवान फरेरा और इम्पैक्ट प्लेयर शुभम दुबे की आतिशी पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को उसके ही घर में छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पंजाब का अजेय क्रम भी थम गया है। उसे इस सीजन की पहली हार का सामना करना पड़ा है।

राजस्थान को जीत के लिए 223 रन बनाने थे जो उसने 19.2 ओवरों में बना लिए। राजस्थान के लिए वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों पर तीन चौके और पांच छक्कों की मदद से 43 रनों की पारी खेली। यशस्वी ने 27 गेंदों पर सात चौके और एक छक्के के दम पर 51 रन बनाए। डोनोवान फरेरा ने 26 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 52 रनों की पारी खेल टीम को जीत दिलाई जिसमें 12 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 31 रन बनाने वाले शुभम दुबे का भी अहम रोल रहा। इससे पहले, प्रभसिमरन सिंह के शानदार अर्धशतक के बाद आखिरी के ओवरों में मार्कस स्टोइनिस की तूफानी पारी के दम पर पंजाब 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 222 रन बनाए हैं। ये स्कोर ज्यादा हो सकता था लेकिन 13वें ओवर से राजस्थान ने पंजाब की रनगित को कंट्रोल किया जिसका असर देखने को मिला। आखिरी के तीन ओवरों में स्टोइनिस ने तेजी से रन बनाते हुए पंजाब का स्कोर 200 के पार पहुंचा दिया। पंजाब के लिए प्रभसिमरन ने 44 गेंदों पर छह चौके और एक छक्के की मदद से 59 रन बनाए। स्टोइनिस ने 20 गेंदों पर अर्धशतक जमाया। उन्होंने आखिरी ओवर में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 24 रन बनाए। उन्होंने 22 गेंदों पर नाबाद 62 रनों की पारी खेली।

20 महीने बाद वापसी करेंगी विनेश

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

विनेश फोगाट 20 महीने बाद किसी रेसलिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। उन्होंने मंगलवार को उत्तर प्रदेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। विनेश ने ङ्ग पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। हालांकि विनेश ने पहले आरोप लगाया था कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया उन्हें टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से रोक रहा है। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'आज सुबह मेरा रजिस्ट्रेशन पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने की वजह से मैं रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाई थी। सबके सपोर्ट के लिए शुक्रिया। विनेश के रजिस्ट्रेशन में हुई देरी पर डब्लयूएफवाई ने बताया कि पोर्टल में तकनीकी दिक्कत आई थी। इसकी वजह से सिर्फ विनेश नहीं, बल्कि कई पहलवानों का रजिस्ट्रेशन अटका हुआ था। बाद में लिंक खुलने पर एंट्री सबमिट हुई है। फेडरेशन ने कहा कि विनेश का रजिस्ट्रेशन सोमवार रात 10-29 बजे पूरा हो गया था, जबकि विनेश ने अपनी पोस्ट में मंगलवार सुबह इसका जिक्र किया है। पेरिस ओलिंपिक 2024 में विनेश ने 50 किलोग्राम फ्री-स्टाइल कुश्ती में हिस्सा लिया था। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली थी, लेकिन मुकाबले से पहले उनका वजन लगभग 100 ग्राम ज्यादा पाया गया। इसके बाद ओलिंपिक नियमों के तहत उन्हें टूर्नामेंट से डिसक्वालिफाई कर दिया गया। इससे दुखी होकर विनेश ने 8 अगस्त को संन्यास लेने की घोषणा की थी। हालांकि दिसंबर 2024 में उन्होंने अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया। विनेश 57 किलो कैटेगरी में 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। अब उनका लक्ष्य आने वाले एशियन गेम्स और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक पर है। विनेश हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक भी चुनी गई हैं।

महिला टी20 वर्ल्डकप 2026 के

उबेर कप बैडमिंटन में समाप्त हुआ भारत का सफर, 0-5 से मिली हार

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की, जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों

वैभव सूर्यवंशी पर बोली मनु भाकर

अगर मार्गदर्शन अच्छा हो तो उम्र सिर्फ एक संख्या

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर से युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पर पूछा गया एक सवाल

सफल अभिनेत्री मौसमी चटर्जी

मौसमी चटर्जी के दादा ब्रिटिशकाल में जज थे। इनके पिता भी सेना में नौकरी किया करते थे। बाद में वो रेलवे में आ गए। डायरेक्टर तरुण मजूमदार का घर और स्टूडियो मौसमी चटर्जी के स्कूल के पास ही था। वो मौसमी को जानते थे। एक दफा उन्होंने मौसमी को एक फिल्म ऑफर की।ये बात जब मौसमी जी के पिता को मालूम हुई तो उन्होंने साफ कह दिया कि मौसमी फिल्मों में काम नहीं करेंगी। लेकिन फिर तरुण मजूदमदार की पत्नी और एक्ट्रेस संध्या रॉय ने मौसमी जी के पिता से बात की और उन्हें मौसमी जी को फिल्मों में काम करने की छूट देने के लिए मना लिया।संध्या रॉय ने मौसमी के पिता को दो हज़ार रुपए एडवांस देने की पेशकश की। लेकिन मौसमी जी के पिता ने वो रुपए लेने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा, 'ये रुपए तुम ही रखो। तुम्हें उसका नखरा भी उठाना पड़ेगा। तब ये रुपए तुम्हारे काम आएंगे।' इस तरह मौसमी चटर्जी ने अपनी पहली फिल्म साइन की। वो थी 1967 में आई बांग्ला भाषी फिल्म बालिका बधू। और मौसमी चटर्जी के हीरो थे पार्थ मुखर्जी। आज मौसमी चटर्जी का जन्मदिन है।26 अप्रैल 1955 को कलकत्ता में मौसमी चटर्जी का जन्म हुआ था।

मौसमी जी के पिता ने संध्या रॉय से जो कहा था वो सच साबित हुआ। मौसमी चटर्जी ने शूटिंग के वक्त इतने नखरे किए कि एक वक्त वो आया जब तरुण मजूमदार चिढ़कर बोले, 'मैं इस फिल्म को बनाउंगा ही नहीं। अब तक जो भी शूटिंग मैंने की है मैं उसकी रील्स को जला दूंगा।हालांकि उनकी पत्नी संध्या रॉय ने किसी तरह उनको संभाला। संध्या रॉय ने ही मौसमी चटर्जी को भी कंट्रोल किया। अगर संध्या रॉय ना होती तो शायद बालिका बधू कभी बनती भी नहीं। ये बात खुद मौसमी चटर्जी जी ने एक इंटरव्यू में कही थी। मौसमी बहुत छोटी थी जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म में काम किया था। वो महज़ पांचवी क्लास में थी।इसलिए उनको बड़ी दिखाने के लिए उनका काफी मेकअप किया जाता था। और उन्हें बड़ी लड़कियों जैसे कपड़े पहनाए जाते थे। मौसमी को इस सबसे बड़ी चिढ़ होती थी। ऐसा दो दफा हुआ था जब मौसमी चटर्जी मेकअप रूम से चुपके से भाग गई थी। वैसे, यहां ये बात भी बतानी ज़रूरी है कि मौसमी जी का असल नाम इंदिरा है। लेकिन

जब वो पहली फिल्म में काम कर रही थी तब उनकी बड़ी बहन ने उन्हें मौसमी नाम दिया था।

बालिका बधू की शूटिंग के दौरान ही मौसमी चटर्जी की पहली मुलाकात हुई थी हेमंत कुमार से। हेमंत कुमार जी बालिका बधू के संगीतकार थे। उस वक्त मौसमी चटर्जी नहीं जानती थी कि हेमंत कुमार भविष्य में उनके ससुर होंगे। जी हां, मौसमी चटर्जी की शादी हेमंत कुमार जी के बेटे जयंत मुखर्जी से हुई है। बालिका बधू बहुत बढ़िया चली थी। मौसमी चटर्जी को छोटी उम्र में ही ख्याति मिल गई थी। मौसमी इतनी मशहूर हो गई थी कि लोग उन्हें देखकर भीड़ लगा लेते थे।संगीतकार हेमंत कुमार ने एक दिन मौसमी जी के पिता से कहा, 'मैं मौसमी को अपने साथ मुंबई ले जाना चाहता हूं। मुंबई में भी हम बड़ी धूमधाम से दुर्गा पूजा आयोजित करते हैं। अब कलकत्ता में अगर मौसमी किसी दुर्गा पूजा में जाएगी तो वहां लोग इसे पहचान लेंगे। लेकिन मुंबई में इसे अभी कोई नहीं जानता।मौसमी के पिता राज़ी हो गए। लेकिन एक बंगाली मैगज़ीन ने इस दौरान एक आर्टिकल पब्लिश कर दिया जिसमें दावा किया गया कि मौसमी चटर्जी को हेमंत कुमार के घर अक्सर देखा जाता है। मौसमी की शादी हेमंत कुमार के बेटे जयंत से हो सकती है।उस मैगज़ीन में छपा वो आर्टिकल मौसमी चटर्जी के रिश्तेदारों ने भी पढ़ा। मौसमी के पिता की एक आंटी थी। उन तक भी वो आर्टिकल पहुंचा। वो उस आर्टिकल को पढ़कर बड़ा नाराज़ हुई। और उनकी नाराज़गी उस वक्त और कई गुना बढ़ गई जब उन्हें पता चला कि मौसमी के पिता मौसमी को हेमंत कुमार के साथ मुंबई भेज रहे हैं।उन्होंने मौसमी के पिता को खूब डांटा। और कहा कि तुम अपनी बेटी को कैसे मुंबई भेज सकते हो। उसकी तो अभी शादी भी नहीं हुई है। ये बात जब हेमंत कुमार को पता चली तो उनसे रहा नहीं गया। वो मौसमी के घर आए और उन्होंने कहा, 'इंदू(मौसमी) मेरी बहू बनेगी। अब ये बातें सच ही होने दीजिए।' मौसमी जी के पिता को भी कोई ऐतराज़ नहीं था। सो, मुंबई आने से पहले ही मौसमी चटर्जी और जयंत मुखर्जी की शादी हो गई।इस तरह हेमंत कुमार की बहू बनकर मौसमी चटर्जी पहली दफा मुंबई आई थी। और कलकत्ता से मौसमी अपने साथ अपना कुत्ता, अपनी गुड़िया और अपनी एक बेस्ट फ्रेंड को साथ लाई थी। इनकी वो बेस्ट फ्रेंड लगभग एक साल तक मुंबई में इनके साथ रही थी। हेमंत कुमार जी ने शादी के बाद मौसमी जी से पूछा था कि क्या तुम अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहती हो।लेकिन मौसमी जी ने मना कर दिया। क्योंकि पढ़ाई में इनका कुछ खास मन नहीं लगता था। मौसमी चटर्जी की पहली हिंदी फिल्म थी शक्ति सामंत की अनुराग जो साल 1972 में रिलीज़ हुई थी। ये फिल्म मौसमी ने तब साइन की थी जब उन्होंने जयंत मुखर्जी से सगाई की थी।शक्ति सामंत को ये नहीं पता था कि मौसमी इतनी जल्दी शादी भी कर लेंगी। मौसमी ने जब अनुराग की शूटिंग शुरू कर दी थी उसके कुछ दिन बाद शक्ति सामंत को पता चला कि मौसमी ने तो शादी भी कर ली है। वो इस बात से बड़ा खफा हुए। क्योंकि उन्हें नहीं लग रहा था कि एक शादीशुदा एक्ट्रेस सही से फिल्म में काम कर सकेगी या नहीं।उनका ये भी मानना था कि शादीशुदा एक्ट्रेस हीरोइन के किरदारों में सफल नहीं हो पाती हैं। लेकिन शक्ति सामंत का ऐसा सोचना एकदम गलत साबति हुआ। अनुराग रिलीज़ हुई और बहुत बड़ी हिट साबित हुई। हिंदी फिल्मों में मौसमी चटर्जी के पहले हीरो रहे विनोद मेहरा।

दिनेश गंगराड़े,समरपार्क, निपानिया,

लुक्खे के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखेंगी पलक तिवारी

जल्द ही अभिनेत्री पलक तिवारी बहुप्रतीक्षित म्यूजिकल एक्शन ड्रामा वेब सीरीज लुक्खे के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक बड़ी खबर साझा की और बताया कि सीरीज का नया गाना जी लेंगे जल्द ही रिलीज होने वाला है, जिसने उनके प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। यह सीरीज चंडीगढ़ के जीवंत रैप कल्चर और अपराध की अंधेरी दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें संगीत, एक्शन और ड्रामा का रोमांचक मिश्रण देखने को मिलेगा। अभिनेत्री ने गाने की एक छोटी सी झलक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के माध्यम से साझा की। इस वीडियो के साथ अभिनेत्री ने लिखा, प्यार और उम्मीद को थामे हुए, जी लेंगे के साथ। यह गाना रिलीज हो गया है। यह पोस्ट गाने के भावनात्मक पहलू और उसके मुख्य विषय को इंगित करती है, जो जीवन में मुश्किलों के बावजूद प्यार और आशा को बनाए रखने का संदेश देता है। टीजर को देखकर ऐसा लगता है कि यह गाना सीरीज के भावनात्मक कोर का प्रतिनिधित्व करेगा, जहाँ संघर्ष के बीच भी मानवीय रिश्तों की गर्माहट और उम्मीद की किरण मौजूद रहती है।

जब आपके साथ माता-पिता हों तो उनसे प्यार करें : अंकिता लोखंडे

हाल ही में अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने दिवंगत पिता शशिकांत लोखंडे को याद करते हुए एक अत्यंत भावुक पोस्ट साझा की है। अंकिता के पिता शशिकांत लोखंडे का निधन लंबी बीमारी के बाद 2023 में हो गया था, जिससे अभिनेत्री और उनका परिवार गहरे सदमे में था। उन्होंने कहा है कि वह अपनी हर सांस में उन्हें याद करती हैं और माता-पिता के महत्व पर ज़ोर दिया है। अंकिता ने अक्सर अपने पिता के साथ अपने करीबी रिश्ते को सोशल मीडिया पर साझा किया हैऔर उनके निधन के बाद भी उन्हें लगातार याद करती रहती हैं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में, अंकिता ने अपने पिता के साथ की एक पुरानी और अनमोल तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में अभिनेत्री अपने पिता के साथ एक खुशहाल पल साझा करती दिख रही हैं, जो उनके अटूट बंधन की गवाही देती है। तस्वीर के साथ अंकिता ने एक दिल को छू लेने वाला कैप्शन लिखा, मैं हर सांस में आपको याद करती हूं।

न्यूज ब्रीफ

कलेक्टर सिंह ने कार्यपालन यंत्री पीआईयू का एक माह का वेतन काटने के आदेश जारी किए

उज्जैन। कलेक्टर सिंह ने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (पीआईयू) श्रीमती नताशा सुदंरसेन के द्वारा विभागीय निर्माण कार्यों की ड्राइंग एवं डिजाईन अप्रूवल में लापरवाही बरतने व मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 03 का उल्लंघन करने पर उनका एक माह का वेतन काटने के आदेश जारी कर दिए है तथा उन्हें भविष्य में कार्य के प्रति लापरवाही नहीं बरतने के लिए सचेत किया है।

ई टोकन द्वारा 1 मई से फास्फेटिक उर्वरकों एवं 15 जून से यूरिया ले सकेंगे किसान

उज्जैन। उप संचालक कृषि यू.एस. तोमर ने जानकारी दी कि किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए ई-विकास प्रणाली व्यवस्था प्रारंभ की गई है। जिसके अंतर्गत 1 अप्रैल से जिले में किसानों को शत प्रतिशत उर्वरक का वितरण ई विकास प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। किसानों को धारित रकबे एवं बोई गई फसल की अनुशंसित मात्रा के आधार पर निश्चित मात्रा के टोकन जारी किए जाते हैं। आगामी खरीफ बुवाई को देखते हुए 1 मई, 2026 से किसानों को फास्फेटिक उर्वरक जैसे डीएपी, एनपीके (समस्त ग्रेड), एसएसपी एवं अन्य की रकबे के अनुसार पूर्ण अनुशंसित मात्रा के टोकन एक ही बार मे जनरेट किए जाने की सुविधा प्रारंभ कर दी जाएगी। साथ ही 15 जून, 2026 से यूरिया की भी पूर्ण रकबा अनुसार अनुशंसित मात्रा का किसान भाई एक ही बार में उठाव कर सकेंगे। किसान भाई सुनिश्चित रहे जिले मे उर्वरक की प्रर्याप्त मात्रा उपलब्ध है, किसान भाई अपनी आवश्यकता अनुसार ई टोकन के माध्यम से उर्वरक का उठाव करें।

भार्गव मार्ग सब्जी मंडी से निगम द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाया

उज्जैन। अतिक्रमण रिमूवल गैंग द्वारा भार्गव मार्ग स्थित सब्जी मंडी से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर की गई उक्त मार्ग पर सब्जी वाले, फल फरूट विक्रेताओं द्वारा अपनी दुकानों के बाहर तक काउंटर रखते हुए अतिक्रमण किया गया था इसके कारण ट्रैफिक जाम एवं आम नागरिकों को आवागमन में असुविधा हो रही थी पूर्व में भी दुकानदारों को सूचित किया गया था की दुकानों के बाहर जो अतिक्रमण किया गया है उसे हटा ले अन्यथा निगम द्वारा सख्ती से कार्यवाही करते हुए सामान जप्त किया जाएगा जिसके क्रम में कार्यवाही की गई।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन। मंगलवार को नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन उज्जैन टीम के अधिकारियों द्वारा उन्हेल नगर परिषद के व्यवसायिक क्षेत्रों एवं बस स्टेंड अंतर्गत आने वाली दुकानों का निरीक्षण किया गया एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नही करने व सिंगल यूज प्लास्टिक की जगह कांच के गिलास व मिट्टी के कुल्हड का उप्योग करने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही सिटिजन फीडबैक के अंतर्गत अधिक से अधिक फीडबैक करवाए जाने की अपील की गई।

संभागायुक्त सिंह और कलेक्टर सिंह ने सिंहस्थ 2028 के तहत निर्माणाधीन ब्रिज निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

कार्य में लापरवाही के लिए अवंतिका गैस कंपनी को नोटिस जारी करने के निर्देश

उज्जैन।

संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने नियमित निरीक्षण के दौरान मंगलवार को सिंहस्थ 2028 के तहत श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक क्षेत्र मक्सी रोड़ ब्रिज के समांतर निर्माणाधीन ब्रिज कार्य की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि ब्रिज निर्माण के लिए अवंतिका गैस कंपनी की गैस पाइप लाइन नहीं हटाई गई है, जिसके कारण कार्य प्रभावित हो रहा है।

संभागायुक्त सिंह ने अवंतिका गैस कंपनी को कार्य में लापरवाही करने पर नोटिस जारी कर सख्त कार्यवाही की चेतावनी देने के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिए

है। संभागायुक्त ने कहा कि सिंहस्थ के लिए प्रचलित कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर आगामी सिंहस्थ 2028 के तहत शहर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अधोसंरचना विकास के कार्य प्रगतिरत है।

संभागायुक्त सिंह और कलेक्टर सिंह ने इसके बाद नृसिंह घाट के समीप निर्माणाधीन ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद इंजीनियर द्वारा कार्य प्रगति की जानकारी दी। नृसिंह घाट पर पूर्व से निर्मित ब्रिज के समानांतर नवीन ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। ब्रिज की लंबाई 125 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर है। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि ब्रिज निर्माण कार्य में उपयोग में आने वाली निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच नियमित रूप से की जाए। बारिश के मौसम के पहले ब्रिज निर्माण का नदी क्षेत्र का कार्य पूर्ण करा लिया जाए, जिससे बारिश के दौरान कार्य प्रभावित नहीं हो।

संभागायुक्तऔर कलेक्टर ने मक्सी रोड़ ब्रिज का निरीक्षण किया

संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ कार्यों के नियमित निरीक्षण के तहत मंगलवार को मक्सी रोड़ ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उज्जैन- मक्सी रोड़ पर पुराने समपार क्र.2 पूर्व ब्रिज के समानांतर उज्जैन-इंदौर रेल सेक्शन पर आईटीआई के सामने टू-लेन अतिरिक्त आरओबी का निर्माण किया जा रहा है। इस ब्रिज की लंबाई 684 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर है। मौके पर कार्य प्रगति की जानकारी देते हुए निर्माण एजेंसी द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में अवंतिका गैस कंपनी की गैस पाईप अप्रैल माह तक हटाने के लिए निर्देश दिए गए थे, लेकिन कंपनी द्वारा जमीन के नीचे से गैस पाइप लाइन नही हटाने से ब्रिज निर्माण का कार्य प्रभावित हो रहा है। संभागायुक्त सिंह ने अवंतिका गैस कंपनी द्वारा कार्य में लापरवाही किए जाने पर नोटिस जारी कर सख्त कार्यवाही की चेतावनी के निर्देश दिए। वहीं मौके पर आए गैस कंपनी के अधिकारी को भी गैस पाइप लाईन शीघ्र अन्य स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए है।

ग्राम चौपाल में प्रशासन का मानवीय स्पर्शः शासन की योजनाएं अब ग्रामीणों तक

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने गजनीखेड़ी में चौपाल लगाई और रात्रि विश्राम किया

उज्जैन।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने ग्राम गजनीखेड़ी में ग्राम चौपाल आयोजित कर न केवल ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, बल्कि रात्रि विश्राम कर प्रशासन की संवेदनशीलता का एक सशक्त संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप ग्राम चौपाल की पहल केवल निरीक्षण तक सीमित नहीं रही बल्कि ग्रामीणों के बीच बैठकर संवाद स्थापित करने, उनकी वास्तविक समस्याओं को समझने और त्वरित समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने का माध्यम बनी।

चौपाल में किसानों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने खुलकर अपनी बात रखी, जिस पर कलेक्टर सिंह, पुलिस अधीक्षक शर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट और एसडीएम धीरेंद्र पाराशर ने अधिकारियों को मौके पर ही समस्या समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए।घर-घर आसानी से पहुंच रही शासन की सेवाएं और योजनाएंमुख्यमंत्री डॉ. यादव की सरकार का प्रमुख लक्ष्य "शासन की सेवाएं घर-घर तक पहुंचाना" अब

कलेक्टर ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया

कलेक्टर सिंह ने चौपाल में ग्रामीणों से विद्यालयों में शिक्षा की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालयों में शिक्षक समय पर उपस्थित रहकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उपस्वास्थ्य केंद्र और डिलीवरी प्वाइंट रुनीजा में पदस्थ एएनएम श्रीमती मंजुला निगम को उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और एएनएम द्वारा शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर उन्हें प्रोत्साहित किया। ग्रामीणों ने उपस्वास्थ्य केंद्र और डिलीवरी प्वाइंट रुनीजा में पदस्थ एएनएम श्रीमती मंजुला निगम द्वारा मुख्यालय पर रहकर सतत रूप से शत प्रतिशत सुरक्षित प्रसव करवाने पर प्रशंसा की। कलेक्टर सिंह, पुलिस अधीक्षक शर्मा और जिला पंचायत सीईओ कूमट ने दायित्वों का उत्कृष्ट तरीके से निर्वहन के लिए एएनएम श्रीमती निगम को सम्मानित किया।

व्यवहार में उतरता नजर आ रहा है। ग्राम चौपाल के माध्यम से राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय और कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी सीधे नागरिकों तक पहुंचाई जा रही है। इससे ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ पारदर्शिता से प्राप्त हो रहा है। किसान कल्याण वर्ष किसानों की विकास यात्रा में एक और कदमकलेक्टर सिंह ने चौपाल में जानकारी दी कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा वर्ष 2026 को "किसान कल्याण वर्ष" के रूप में मनाने की घोषणा ने कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार किया है। इसका उद्देश्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि किसानों की वास्तविक आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है।

किसान कल्याण वर्ष में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के हित के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार किसानों के हित में उपार्जन प्रक्रिया 6 दिन संचालित करने, ताकि अधिक से अधिक किसानों की उपज समर्थन मूल्य पर खरीदी जा सके। कृषकों की भूमि अधिग्रहण पर चार गुना तक मुआवजा, जिससे किसानों को उनकी भूमि का उचित और न्यायसंगत मूल्य मिल सके। ग्राम चौपाल और रात्रि विश्राम संवेदनशील प्रशासन की नई पहचानमुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार ग्राम गजनीखेड़ी में अधिकारियों का रात्रि विश्राम केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रशासन की संवेदनशीलता का प्रतीक है।

कलेक्टर रात्रि विश्राम के बाद घर-घर पहुंचे, ग्रामीणों ने किया आत्मीय स्वागत

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट ने बड़नगर अनुभाग के ग्राम गजनीखेड़ी में रात्रि विश्राम के बाद सुबह ग्राम का सघन भ्रमण किया। रात्रि विश्राम के बाद सुबह की ताज़गी के साथ कलेक्टर सिंह का गांव में घर-घर पहुंचना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रशासन के मानवीय चेहरे की झलक है। जब कलेक्टर खुद लोगों के द्वार तक पहुंचते हैं तो समस्याएं फाइलों से निकलकर सीधे समाधान प्राप्त करती हैं। लेक्टर सिंह ने ग्रामवासियों के घर-घर पहुंचकर उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ लेने, बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और स्वगणना और जनगणना में उत्साह से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर सिंह ने ग्रामीणों से सड़क, नाली, साफ-सफाई, बिजली और उर्वरक उपलब्धता और उनकी दिनचर्या के सम्बंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप फ्रजनसेवाफ्र को वास्तविक रूप में साकार करते हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर सिंह को सुबह से घर के द्वार पर देखा तो उनका बड़े उत्साह से चाय के साथ स्वागत किया। इस दौरान बड़नगर एसडीएम धीरेन्द्र पाराशर, तहसीलदार श्रीमती रूपाली जैन, जनपद सीईओ, पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

महापौर की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक

मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित परिवारों को मुआवजा स्वीकृति प्रदान की

उज्जैन।

मंगलवार को मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर मुकेश टटवाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, एमआईसी सदस्य शिवेन्द्र तिवारी, सत्यनारायण चौहान, रजत मेहता, कैलाश प्रजापत, जितेंद्र कुवाल, डॉ. योगेश्वरी राठौर, श्रीमती दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी की उपस्थिति में आयोजित हुई

बैठक में कार्यसूची के प्रथम प्रकरण मेयर इन काउंसिल सम्मिलन दिनांक 26.02.2026 के कार्यवृत्त की पृष्टि की गई जिसके उपरांत कार्य बिन्दुवार चर्चा की गई जिसमें नगर पालिक निगम उज्जैन सीमा क्षेत्र अंतर्गत संपूर्ण शहर में उपभोक्ता प्रभार यूजर चार्जेस के प्रस्ताव कि सैद्धांतिक स्वीकृति, मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 2 में बालाजी दूध डेयरी से वीर सावरकर चौराहा दोनों तरफ आरसीसी नाला निर्माण कार्य का स्थल परिवर्तन के संबंध में सैद्धांतिक स्वीकृति, शहर अंतर्गत जीर्ण शीर्ण शौचालयों को ध्वस्त कर एसबीएम 2.0 अंतर्गत नवीन शौचालयों का निर्माण किए जाने के संबंध में स्वीकृती, नगर पालिक निगम उज्जैन के पेंशनरों /परिवार पेंशनरों को देय पेंशन में महंगाई भत्ते का पुनरीक्षण दिनांक 2 अप्रैल 2026 से छठवें वेतनमान में 5 प्रतिशत एवं सातवें वेतनमान में 03 प्रतिशत एवं एरियर राशि के भुगतान किए जाने के संबंध में स्वीकृति।

नगर पालिक निगम उज्जैन के अधिकारियों / कर्मचारियों को देय सातवें वेतनमान में महंगाई भत्ते वृद्धि किए जाने के संबंध में स्वीकृति, वर्ष 2026-27 के लिए संपत्ति कर, समेकित दर, शिक्षा उपकर एवं नगरीय विकास उपकर इत्यादि की दर/छूट/ भुगतान का निर्धारण करने के संबंध में स्वीकृति, गदा पुलिया से जयसिंहपुरा होते हुए लालपुल तक चौड़ीकरण कार्य में प्रभावित भवन के मुआवजा प्रकरणों की सैद्धांतिक स्वीकृति, सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। व्यवसाईयों को प्राथमिकता दी जाने के प्रस्ताव पर सैद्धांतिक स्वीकृति साथ ही नारी शक्ति वंदन अभिनियम के अंतर्गत लोकसभा में अधिनियम को पारित नहीं होने देने पर निंदा प्रस्ताव पर सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई

सीईओ जिला पंचायत द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन।

मंगलवार को सीईओ जिला पंचायत द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए गए। श्रीराम कॉलोनी यंत्र महल निवासी गंगाराम मेहर ने आवेदन दिया कि उन्होंने एक व्यक्ति के साथ पार्टनरशीप में पेंटिंग, साईन बोर्ड आदि का कार्य प्रारंभ किया था। व्यक्ति द्वारा झूठ बोलकर उन्हें कर्जा दिलवाया गया तथा वर्तमान में वह व्यक्ति कर्ज में लिए हुए रुपए को लेकर भाग गया है। इस पर थाना प्रभारी नीलगंगा को मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

किशनपुरा निवासी राहुल राव ने आवेदन दिया कि उनके पैतृक आवासीय भूखंड पर एक व्यक्ति द्वारा झूठे दस्तावेज का उपयोग कर कब्जा कर लिया गया है तथा उन्हें मकान का निर्माण नहीं करने दिया जा रहा है। कुछ दिन पूर्व आवेदक के साथ मारपीट भी की गई है। इस पर थाना प्रभारी माधवनगर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

खाचरौद के ग्राम नंदीयासी निवासी अर्जुन सिंह चावड़ा ने आवेदन देकर शिकायत की कि ग्राम पंचायत चंदवासला में पदस्थ सचिव के द्वारा शासकीय भवन के निर्माण के लिए प्रदत्त की गई राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है और बहुत से कार्य वर्तमान में अपूर्ण है। इस पर सीईओ जनपद पंचायत खाचरौद को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम बड़ागांव तहसील खाचरौद निवासी मेहरबान सिंह ने आवेदन दिया कि गांव में स्थित शासकीय भूमि पर कुछ लोगों के द्वारा अवैध रुप से अतिक्रमण कर मकान का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस पर एसडीएम खाचरौद को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार एडीएम अत्येन्द्र सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर शाश्वत शर्मा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा अन्य मामलों में जनसुनवाई की गई।

बदमाशों ने कार के कांच फोड़े, पत्थरों से की तोड़-फोड़

उज्जैन। माधवनगर थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने सोमवार रात में घरों के बाहर खड़ी कार को निशाना बनाया है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें दो युवक बाइक खड़ी कर पैदल आकर पत्थरों से कांच फोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामला देवास रोड स्थित आश्रय होटल के पास मिशन कंपाउंड का है। यहां निवासी संदीप कुमार मीणा की कार सोमवार देर रात घर के बाहर खड़ी थी। बदमाशों ने पत्थरों से कार के कांच फोड़ दिए और मौके से फरार हो गए। सुबह जब संदीपकुमार ने अपनी गाड़ी देखी तो कांच टूटे हुए मिले, जिसके बाद उन्होंने माधवनगर थाने में

शिकायत दर्ज कराई। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि दो युवक कुछ दूरी पर अपनी बाइक खड़ी कर पैदल आए। उन्होंने पत्थरों से कार को नुकसान पहुंचाया और फिर वहां से भाग निकले। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। यह पहली बार नहीं है जब उज्जैन में ऐसी वारदात हुई है। इससे पहले चिमनगंज थाना क्षेत्र के बाफना पार्क और ऋषिनगर इलाके में भी इसी तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। हालांकि, इन मामलों में अब तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही उज्जैन पुलिस ने शहर में 600 जवानों के साथ एक बड़ी कॉम्बिंग गश्त की थी। इस दौरान 185 स्थायी और 110 अस्थायी वारंट तामील किए गए थे, जिसमें 6 इनामी आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया था। इसके बावजूद बदमाशों द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम देना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है।

उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष ने किया पदभार ग्रहण

उज्जैन। उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) के नवनियुक्त अध्यक्ष रवि सोलंकी ने मंगलवार शाम पदभार ग्रहण किया। उन्होंने अपने सभी सदस्यों के साथ प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर विधिवत कार्यभार संभाला। इस दौरान भाजपा संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यालय के बाहर एक भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसे पहली बार किसी अध्यक्ष की नियुक्ति पर सार्वजनिक और बड़े आयोजन के रूप में देखा गया। मंच से नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सोलंकी का जोरदार स्वागत किया। अपने संबोधन में रवि सोलंकी ने भाजपा नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी एक साधारण कार्यकर्ता को भी बड़ी जिम्मेदारी देती है। सोलंकी ने भरोसा दिलाया कि वे टीम भावना के साथ उज्जैन के विकास को नई दिशा देंगे। उन्होंने विशेष रूप से सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़कों और सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया।

आरटीई से 12वीं तक मिले प्रवेश- महापौर

उज्जैन। महापौर मुकेश टटवाल ने शिक्षा के अधिकार (आरटीई) को लेकर बड़ा मुद्दा उठाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर आरटीई के तहत 12वीं तक मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था लागू करने की मांग की है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों में कक्षा 8वी तक निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। लेकिन इसके बाद कक्षा 9वीं में उन्हें न तो निजी स्कूलों में मुफ्त प्रवेश मिलता है और न ही कई सरकारी स्कूलों में आसानी से एडमिशन हो पाता है। महापौर मुकेश टटवाल ने अपने पत्र में मांग की है कि आरटीई के तहत एक बार जिस छात्र को प्रवेश मिल जाए, उसे उसी स्कूल में 12वीं तक पढ़ाई का अधिकार मिलना चाहिए। शासकीय उत्कृष्ट, सांदीपनि और अन्य सरकारी स्कूलों में भी इन बच्चों को प्राथमिकता से प्रवेश दिया जाना चाहिए। महापौर ने इसके लिए नियमों में आवश्यक संशोधन का सुझाव भी दिया। महापौर का कहना है कि शिक्षा का अधिकार केवल प्राथमिक स्तर तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि बच्चे को एक बार शिक्षा की मुख्यधारा में लाया गया है, तो उसे 12वीं तक निरंतर शिक्षा मिलना जरूरी है, तभी उसका भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। अभी स्थिति यह है कि 8वीं के बाद इन छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए संघर्ष करना पड़ता है। निजी स्कूल फीस मांगते हैं, जबकि सरकारी स्कूल पहले अपने छात्रों को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में कई बच्चों की पढ़ाई बीच में ही छूटने का खतरा रहता है।

उज्जैन के कृषि अध्ययनशाला के गेट पर लिखा- तुम सब मरोगे

अज्ञात बदमाशों की हरकत, मटकी-लाल कपड़ा और कुंकू के निशान मिले

उज्जैन।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन की कृषि अध्ययनशाला की नई बिल्डिंग में सोमवार तड़के अज्ञात शरारती तत्वों ने टोना-टोटका कर दहशत फैलाने की कोशिश की। बदमाशों ने मुख्य गेट के पास दीवार पर कुंकू से "तुम सब मरोगे" लिख दिया, जिससे शिक्षक, कर्मचारी और छात्र भयभीत हो गए। जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 2 से 3 बजे के बीच की है। रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार सुबह जब चौकीदार आशीष बोरिंग चालू करने पहुंचा तो उसने मेन चैनल गेट के सामने एक मटकी, लाल

कपड़ा और आसपास कुंकू के साथ तंत्र क्रिया जैसे निशान देखे। पास ही दीवार पर 'तुम सब मरोगे' लिखा था।

दो बजे तक जाग रहा था स्टाफ

चौकीदार आशीष ने बताया कि रात करीब 2 बजे तक स्टाफ जाग रहा था, लेकिन सुबह बोरिंग चालू करने के दौरान यह सब देखा। उन्होंने मौके को बिना छुए तुरंत अधिकारियों को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही शिक्षक और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और नजारा देखकर घबरा गए। इस घटना के बाद विद्यार्थियों में भी डर का माहौल है। उल्लेखनीय है कि इस नई बिल्डिंग में करीब 10 दिन पहले ही कक्षाएं शुरू हुई हैं, जहां लगभग 1100 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं।

CCTV नहीं, जांच में परेशानी

बिल्डिंग के बाहर ह्ण्ण्झ्ङ्क कैमरे नहीं होने के कारण शरारती तत्वों की पहचान करना मुश्किल हो रहा है। फिलहाल अध्ययनशाला के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं।

दीवार की पुताई कर लिखा हुआ मिटाया गया

विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश टेलर ने बताया कि अज्ञात लोगों द्वारा यह हरकत की गई है। मौके पर रखी सामग्री को हटवा दिया गया है और दीवार पर लिखे शब्दों को मिटाकर पुताई करवा दी गई है। घटना की सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को दे दी गई है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com